Finish 196.5 x 260 mm


# समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जनवरी २०१९ • वर्ष ७० • अंक ०१

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

*पश्चिम बंगाल के राज्यपाल महामहिम श्री केशरीनाथ त्रिपाठी से मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान ग्रहण करते हुए उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री अनिल अग्रवाल। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष कुमार सराफ, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री विवेक गुप्ता, श्री रघु मोदी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री संजय हरलालका एवं अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित अग्रवाल चित्र में परिलक्षित हैं।*

*राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठकः चित्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा, श्री नंदलाल रुँगटा, श्री हरिप्रसाद कानोड़िया श्री रामअवतार पोद्दार एवं अन्य पदाधिकारी एवं सदस्यगण चित्र में परिक्षलित हैं।*

## इस अंक में :


- अध्यक्षीय - वर्ष २०१९ का स्वागत!
- सम्पादकीय - अनुकरणीय कृतित्व के धनी श्री अनिल अग्रवाल
- आलेख - समाज आगे बढ़ा हैं
  राजस्थानी लोकगीतो में स्वर माधुर्य और सौंदर्य बोध
- रपट - स्थापना दिवस समारोह
  कार्यकारिणी समिति की बैठक
  स्थायी समिति की बैठक
  राष्ट्रीय अध्यक्ष का झारखण्ड दौरा
- संगोष्ठी - उद्यमशीलता

LINC
Think it. Linc it.
pentonic
born
of
black
pentonic™
Write the future
Begin a statement that moves the nation.
Gift tomorrow's generation a new set
of words to remember.
Start an idea that inspires and
challenges the future.
Emerge with the boldness of black.
₹10 per U

# समाज विकास

◆ जनवरी २०१९ ◆ वर्ष ७० ◆ अंक ०१
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

## अनुक्रमणिका


| शीर्षक | पृष्ठ संख्या |
|---|---|
| ● **चिट्ठी आई है** | ३-४ |
| ● **सम्पादकीय : शिव कुमार लोहिया** अनुकरणीय कृतित्व के धनी श्री अनिल अग्रवाल | ५-६ |
| ● **अध्यक्षीय : सन्तोष सराफ** वर्ष २०१९ का स्वागत! | ७ |
| ● **रपट :** स्थायी समिति की बैठक | ८ |
| ● **रपट :** स्थापना दिवस समारोह | १० |
| ● **रपट :** राष्ट्रीय अध्यक्ष का झारखण्ड दौरा | १४ |
| ● **रपट :** कार्यकारिणी समिति की बैठक | १५-१८ |
| ● **रपट :** संगोष्ठी - उद्यमशीलता | २३ |
| ● **प्रान्तीय समाचार** | २४ |
| ● **आलेख :** नन्द किशोर अग्रवाल समाज आगे बढ़ा हैं | २७ |
| ● स्वामी विवेकानंद जयंती पर विशेष | २८ |
| ● **आलेख :** राजस्थानी लोक गीतो में स्वर माधुर्य और सौंदर्य बोध | ३३-३४ |
| ● सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत | ३८ |


**स्वत्वाधिकारी**

**अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन**
**All India Marwari Federation**

**प्रशासनिक एवं सम्पर्क कार्यालय** : **४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७**
**फोन : ०३३-४००४ ४०८९**
पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिये **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७००००१५ से मुद्रित।

**◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ सम्पादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से सम्पादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

## चिट्ठी आई है

समाज विकास का दिसम्बर २०१८ का अंक '८४ वां स्थापना दिवस विशेषांक' मिला, धन्यवाद। समाज विकास के माध्यम से सदस्यों को सम्मेलन के कार्यक्रमों एवं संम्पादित कार्यों से अवगत करवाते है इसके साथ समाज को निरंतर सक्रिय बनाये रखदने एवं आगे बढ़ने के लिये प्रेरित करना चाहते हैं।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य समाज सुधार हेतु समयानुसार समाज को जागृत करना है और इस अंक में प्रकाशित आपका सम्पादकीय "आचरण एवं उदाहरण से ही होगा समाज सुधार" बहुत ही सटीक एवं समयानुकूल है। अपना प्रगतिशील समाज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है परन्तु विडम्बना है कि आधुनिकता की इस दौड़ में संस्कार पीछे छूट रहें हैं। युवा वर्ग को दोषारोपित करने या कहने मात्र से कुछ होने वाला नहीं है हमें अपने आचरण एवं क्रियाकलापों द्वारा उनके सामने उदाहरण प्रस्तुत करना होगा। समाज का नेतृत्व करने वाले सभी को वक्तव्य एवं कृतित्व में समभाव दिखाना होगा।

स्वामी विवेकानंद जी का कथन "हमारी भाषा वेदों की भाषा है एवं हमारा माध्यम है त्याग" यथा मार्टिन लूथर किंग का कथन "हमारा जीवन उस दिन खत्म हो जाता है जब हम उन चीजों के बारे में बोलने बंद कर देते हैं जो मायने रखती है"। यदि आचरण करें तो ये दो वाक्य किसी भी समाज के लिए आदर्श सूत्र हो सकतें हैं। समाज एवं राष्ट्र का अहित कुछ बुरे लोगों की बुराइयों की अपेक्षा भले लोगों की निष्क्रियता से ज्यादा होता है। 'बहुत आसान होता है किसी का उदाहरण प्रस्तुत करना परन्तु बहुत कठिन है स्वयं उदाहरण बनना।' सामाजिक नेतृत्व का आचरण एक ऐसा है जो हमारी अगली पीढ़ी पढ़ कर सुनायेगी। वर्तमान का आचरण भविष्य की प्रतिध्वनि है।

समयानुकूल सार्थक सम्पादकीय के लिये आपका साधुवाद। समयानुसार बदलाव प्रगति के लिये आवश्यक है, निरन्तर बदलाव की प्रक्रिया में सहभागी रहते हुये संस्कारों के रक्षण हेतु भागीरथ प्रयास की आवश्यकता है एवं आपका आलेख इस ओर ध्यानाकर्षित करता है।

आपको बधाई! समाज विकास पत्रिका को इसी तरह उपयोगी बनाये रखें।

**– गोवर्धन प्र. गाड़ोदिया**
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

## नववर्ष मंगलमय हो!

सबको यह उम्मीद, सबके मन में आस,
खुशियों की एक पोटली, लायेगा मधुमास।
नये भोर की रश्मियों, रूको हमारे देश,
अंधियारे से आखिरी, जंग अभी है शेष।
दुल्हन सा बेचैन मन, जागे सारी रात,
नये साल के भोर में, आ पहुँची बारात।
दुर्घटना, आतंक से बचा रहे संसार,
मानव पर, मानव करे, कभी न अत्याचार!

**– परशुराम तोदी 'पारस'**
सूरत (गुजरात)

## चिट्ठी आई है

समाज विकास का दिसम्बर २०१८ का अंक प्राप्त हुआ। इस अंक का सम्पादकीय एक सामाजिक क्रांति का उद्घोष है। यह स्वागत योग्य है। समाज को आपने तीन प्रकार के समूहों में बाँटा है। उसमें जो प्रबुद्ध वर्ग है उसको सबसे पहले आगे आना होगा। प्रबुद्धवर्ग ही समाज के प्रति चेतनशील है। उस प्रबुद्धवर्ग में भी बहुतों की कथनी और करनी में फर्क है। इस फर्क को भी मिटाना है। सच्चे मन से समाज सुधार लाने के लिए जागरूकता पैदा करनी होगी। समाज के सामने उदाहरण प्रस्तुत करना होगा।

बच्चों में, परिवार में, संस्कार डालने होंगे। अपनी संस्कृति, अपनी भाषा, अपने खान-पान, बात-व्यवहार के प्रति उत्साह सर्जन करना होगा। उन्हें यह बताना होगा कि भोगवादी संस्कृति पश्चिमी है। "भारत में लक्ष्य मुक्ति है।" लक्ष्य जीवन का। लोग क्या कहेंगे इस सोच से उबरना होगा। दया, करुणा, सेवा, सहायता, दान को अपना कर्म बनाना होगा। सादा जीवन और उच्च विचार को जीवन धर्म मानना होगा।

इस तरह के आलेख बराबर आते रहने से समाज विकास की उपयोगिता में वृद्धि होगी।

**– रतन लाल बंका**
पूर्व उपाध्यक्ष
झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन, राँची

---

८४वाँ स्थापना दिवस विशेषांक प्राप्त हुआ। सामाजिक कार्यकलापों का प्रत्यक्ष विवरण "समाज-विकास" पत्रिका द्वारा सदैव प्राप्त हो रहा है। गर्व है कि सामाजिक चिंतन हेतु काफी विद्वानों की संख्या समाज में उपस्थित है जिनकी प्रेरणाओं से समाज को सही दिशा में चलने हेतु मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। श्रद्धेय शिव कुमार लोहिया द्वारा दिये गये विचार "आचरण एवं उदाहरण से ही होगा समाज सुधार।" अपने आपमें एक मायने रखते है। समाज के सदस्य एकत्व एवं अपनत्व में बँधे होते है। व्यक्ति एवं समाज एक दूसरे के पूरक है। समाज का विकसित होना इस बात पर निर्भर करता है कि सामूहिक हित साधना के लिये क्या व्यवस्था और समाज की प्रमुख संस्था किस प्रकार सार्वजनिक, सांस्कृतिक, सामाजिक कार्य निष्पादित करती है। समाज में विभिन्न वर्ग रहते है। सभी वर्ग समान रूप से महत्वपूर्ण होने चाहिये, जिस प्रकार किसी भी दीवाल के लिये सभी ईंट समान रूप में महत्वपूर्ण हैं। समाज में बदलाव एक निरंतर प्रक्रिया है। व्यक्ति के चरित्र निर्माण में आदर्श स्थापित करने में संस्कार एवं संस्कृति की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। महान विचारक ने कहा है – अपने विचार बदलो। अपने सिद्धांत पर अडिग रहो। स्वामी विवेकानंद के शब्दों में – भारत में लक्ष्य मुक्ति है। हमारी भाषा वेदों की भाषा है एवं हमारा माध्यम है त्याग। समाज आज के समय अपनी सोच में बदलाव लाया है। व्यक्ति के सोच का स्वर इतना स्वार्थी हो गया है कि वह आज अपने दुख से अधिक दूसरों के सुख से दुखी है। शिक्षा एवं स्वास्थ्य अब व्यापार बन चुका है। आज की संकुचित सोच एवं अंधाधुंध भोगवाद शारीरिक समस्याओं के साथ अनेकानेक विकृतियों को जन्म दे रहा है। आज का युवा वर्ग समाज की भूलभूत मान्यताओं परम्पराओं एवं संस्कृति से उदासीन है। युवा वर्ग को मुख्य धारा में लाने के लिये नये सोच एवं अतिरिक्त प्रयास की जरूरत है। साथ ही साथ सबल समाज व्यवस्था में समाज के कमजोर वर्ग के प्रति संवेदनशीलता परम आवश्यक है। "समाज-सुधार" पत्रिका द्वारा आवश्यकता है जागरुकता। समाज में सुधार लाने के लिये उदाहरण प्रस्तुत करना होगा, समर्पण भाव जागृत करना होगा।

शुभाकांक्षी
**– सत्यनारायण तुलस्यान**
मुजफ्फरपुर (बिहार)

---

## समाचार सार

# नवलगढ़ नागरिक समिति का दीपावली प्रीति सम्मेलन

नवलगढ़ नागरिक समिति (कलकत्ता) का दीपावली प्रीति सम्मेलन "पटोदिया हाउस", ३, मोयरा स्ट्रीट, कोलकाता में गत ११ नवम्बर २०१८ को आयोजित हुआ। समारोह के अध्यक्ष एवं नवलगढ़ नागरिक समिति के प्रधान सचिव श्री पवन कुमार पटोदिया, प्रधान वक्ता श्री सुरेन्द्र कुमार बिड़ला, सह-सचिव श्री ताराचन्द पाटोदिया तथा श्री शंकर लाल भगत तथा कोषाध्यक्ष श्री शिव कुमार कयाल सहित बड़ी संख्या में नवलगढ़ प्रवासी उपस्थित थे। समाजबंधुओं ने परस्पर दीपावली की शुभकामनायें

दी। साथ ही, समिति के निरंदर विकास के लिए आपस में मिलकर, सहयोगपूणर् वातावरण में काम करने का संकल्प लिया।

समारोह में श्री चरण सिंह एवं साथियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस अवसर पर 'नवलगढ़ सन्देश' नामक पत्रिका का विमोचन भी हुआ।

# अनुकरणीय कृतित्व के धनी
# श्री अनिल अग्रवाल

वर्ष २०१९ हमारे जीवन में प्रवेश कर चुकी है। इस अवसर पर सभी पाठको के प्रति मेरे मंगलकामना के शब्द हैं –

सूर्य संवेदना पुष्पे दीप्ति कारुण्य गंधने।
लब्धवा शुभं नववर्षेऽस्मिन कुर्मात्सर्वस्य मंगलम।।

जिस प्रकार सूर्य प्रकाश देता है, संवेदना करूणा को जन्म देती है, पुष्प सदैव महकता रहता है, उसी तरह आने वाला हमारा यह नूतन वर्ष आपके लिये हर दिन, हर पल के लिये मंगलमय हो।

इस संदेश का मर्म है कि हमारा हर पल, हर दिन मंगलमय रहे। समय एक बहती धारा है, जो अनवरत आगे बढ़ती जाती है। इस धारा को पीछे की ओर नही मोड़ा जा सकता। वीते समय से हम शिक्षा ले सकते हैं। वर्ष २०१८ के अंतिम चरण में हर वर्ष की भांति २५ दिसम्बर को सम्मेलन का स्थापना दिवस पालन किया गया। समारोह में प्रधान अतिथि के बतौर लंदन से विशेष रूप से पधारे वेदांता लिमिटेड के संस्थापक चैयरमैन श्री अनिल अग्रवाल। श्री अग्रवाल जहाँ भी जाते हैं, उनकी कीर्ति उनसे पहले ही पंहुच जाती है। यह ऐसा पहला मौका था जब कि देश में श्री अग्रवाल मारवाड़ी समाज के किसी समारोह में शामिल हुए हों। इस अवसर पर उन्हें मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान से भी नवाजा गया। समारोह में उन्होंने स्वीकारा कि सदैव वे स्वयं को बिहारी या भारतीय समझते रहे है। पर आज सवेरे से मुझे मेरे मारवाड़ी होने का अहसास निरंतर बना हुआ है। इस छोटे से वाक्य मे सम्मेलन के प्रयास की सार्थकता उजागर हों जाती है। समारोह में उनसे संबंधित एक विडियो दिखाया गया। अपना वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए उन्होंने सबका मन मोह लिया। उनके वक्तव्य के विभिन्न आयाम से प्रभावित हुए विना नही रहा जा सकता। इसमे कोई शक नही कि उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व में चुम्बकीय आकर्षण विद्यमान है। इस कारण उनके बारे में जानने की एवं उनको सुनने की जिज्ञासा और वलवती हो गई। उनकी कहानी सुनकर मारवाड़ी समाज का राजस्थान से २सौ वर्ष पहले देश के अन्य शहरो में वेहतर जीविका के तलाश में निकलने की कहानी का स्मरण हो आया।

श्री अनिल अग्रवाल ने पटना में हिन्दी माध्यम में १०वीं कक्षा तक की पढ़ाई की। १९ वर्ष की आयु में वे बेहतर संभावनाओं की तलाश मे मुम्वई आ गये। लगभग १० वर्षों तक उन्होने विभिन्न व्यवसायों में अपना भाग्य आजमाया। उनमें से सात बार उन्हें असफलता मिली। सफलता एवं असफलता के रास्ते आगे बढ़ते हुए उन्होंने एक दिवालिया कम्पनी को नीलामी में खरीद लिया। उनके पास धन नही था। फिर भी ज्वलंत इच्छा एवं हौसले का परिचय देते हुए उन्होंने बैंक के मैनेजर को प्रभावित किया। अपनी मेहनत एवं लगन के द्वारा उन्होंने उस कम्पनी को खड़ा कर दिया। उसके बाद वे सफलता के एक के बाद एक पायदान चढ़ते गये। पर उन्हे और आगे जाना था। उन्हे लगा कि देश में उनका सही मुल्याकंन नही हो रहा है। कुछ बड़ा कर गुजरने की उनकी छटपटाहत बढ़ती गई। अपनी मंजिल की तलाश में वे लंदन पंहुच गये। वहाँ छ महिने अथक परिश्रम करके अपने वोर्ड में नामचीन लोगों को शामिल करने में सफल हो गये। उनकी कम्पनी लंदन स्टाक एक्सचेंज में प्रवेश पाने वाली पहली भारतीय कम्पनी बन गई। समारोह में उनको सुनकर, उनके बारे में जानकर, बाद में उनके बारे में प्राप्त सूचानाओ के आधार पर उनकी दूरदर्शिता, लगन, मेहनत, जोखिम उठाने की शक्ति पर चमत्कृत हुए बिना नही रहा जा सकता। उनके व्यक्तित्व से अधिक उनका कृतित्व अनुकरणीय है। श्री अग्रवाल की सफलता के पीछे एक बात स्पष्ट उभर कर आती है कि वे उन्होने अपना लक्ष्य निर्धारित कर लिया था। जब आप एक स्पष्ट उद्देश्य स्थापित कर लेते हैं एवं उसकी पूर्ति के लिये हृदय से कामना एवं आशा करने लगते है एवं उस उद्देश्य के लिये स्वयं को उत्सर्ग कर देते है तो आपके विचार एवं महत्वाकांक्षाएँ एक चुम्वक का काम करती है। वे आपके उद्देश्य के सिद्धी एवं सफलता को अपनी ओर खीच लाती है। जब हम मानवीय उद्योग के किसी क्षेत्र को चुन लेते हैं एवं उसी के अनुकूल अपने समस्त जीवन के कर्म, विचार और भावना का ध्रुवीकरण कर लेते हैं तो हमे ईश्वर प्रदत्त शक्तियों का पूरा फायदा मिलने लगता हैं। निश्चित उद्देश्य की ओर लगाई गई महात्वाकांक्षा ही मनुष्य के सब प्रयास की मूल शक्ति है। अथर्व वेद (१३/३/२६) में कहा गया है – रूहो रूरोह रोहितः। अर्थात उन्नति उसकी होती है, जो प्रयत्नशील है। प्रयत्न के साथ उत्साह का समावेश हो जाय तो सोने मे सुहागा के समान है। अग्ने शर्ध पहते सौमगप्य

**जब हम मानवीय उद्योग के किसी क्षेत्र को चुन लेते हैं एवं उसी के अनुकूल अपने समस्त जीवन के कर्म, विचार और भावना का ध्रुवीकरण कर लेते हैं तो हमे ईश्वर प्रदत्त शक्तियों का पूरा फायदा मिलने लगता हैं।**

(अथर्व वेद, ७/७९/१०) अर्थात – ऐश्वर्य उत्साही मनुष्य का पैर चूमता है। श्री अग्रवाल अपने दूरदर्शिता एवं कौशल के बल पर विदेशों में पूंजी की उगाही कर देश में नियोजन किया है। देश की अर्थ व्यवस्था में उनका उल्लेखनीय योगदान है। देश के शीर्ष उद्योगपतियो में वे ३७ वें नम्बर पर आते हैं। मारवाड़ी समाज के लिये यह गौरव की बात है।

उनके जीवन के दो पहलुओं से मैं विशेष रूप से प्रभावित हुआ। पहला उनका जोखिम उठाने की क्षमता, दूसरा स्वयं पर विश्वास। इसके साथ अगर उनके इस घोषणा को शामिल कर ले कि वे अपनी व्यक्तिगत सम्पति का ७५ प्रतिशत समाज के लिये दान कर देंगे, तो गीता का कर्मयोग फलीभूत हो जाता है। गीता (२.४७) में कहा गया है – तुम्हे अपना कर्म करने का अधिकार है, किन्तु कर्म के फलों के अधिकारी तुम नही हो। तुम न तो अपने आपको अपने कर्मो के फलो का कारण मानो। नही कर्म न करने में आसक्त होओ। सफलता एवं विफलता में समभाव रखते हुए कर्म करते रहो। श्लोक ३.१९ में स्पष्ट निर्देश है कि कर्मफल में आसक्त हुए बिना मनुष्य को अपना कर्त्तव्य समझकर निरन्तर कर्म करते रहना चाहिए। अपनी सम्पत्ति का ७५ प्रतिशत दान मे देने की घोषणा ही यह संदेश देती है कि वे कर्म के फल को अपना नही समझते। समारोह में प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि उन्हें धन कमाने एवं दान देने - दोनो में आनंद आता है। धन को पकड़ कर नही रखा जा सकता। ऋग्वेद (१०/११७/१) मे कहा है – उतोरपि पृणतो नोप नस्यति – दान देने वाली की – सम्पदा घटती नही, बढ़ती है। वेदो में सुभाषित है – सतहस्त समाहर सहस्त्र हस्त से किर – सैकडो हाथो से इकट्ठा करो एवं हजारो हाथो से विखेरो यानि दान करो।

इस प्रकार मारवाड़ी समाज की परम्परा, संस्कार एवं संस्कृति को निभाते हुए श्री अग्रवाल ने पूरे समाज को गौरवान्वित किया है। जिन विशिष्ट गुणों के लिये मारवाड़ी समाज पूरे विश्व में विख्यात है, उन्ही गुणों का समावेश हम श्री अग्रवाल के जीवन में पाते है। उनमे से कुछ है –

**सकारात्मकता** – वे अत्यंत आशावादी रुख अपनाते है। इतना ही नही अपने इर्दगिर्द आशा का संचार करते है। हर अवसर में समस्या देखने की वजाय हर समस्या में अवसर देखते हैं। जीवन में आगे वढ़ने का उनका यही मूलमंत्र रहा। यह सोच कठिन से कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़ते रहने का मार्ग प्रशस्त करता रहा!

**दूरदर्शिता** – हम यह जानते है कि हमारी कल्पना, कामनाएँ, हमारी चाहत, लक्ष्य, उद्देश्य संसार में प्रकट होने से पहले अदृश्य रहते हुए मानसिक संसार में प्रकट होते हैं। उन्होंने शुरु से ही कुछ कर गुजरने का मन बना लिया। यह लक्ष्य उन्हे अनवरत उर्जा देता रहा। संघर्षो के बाद मुम्बई में स्थापित होने के बावजूद उन्हे स्पष्ट लगा कि जो दृश्य की कल्पना उन्होने की है, वह दृश्य तव तक प्रकट नही हुआ है। उनकी अकुलाइट एवं उस मुकाम पर पंहुचने की उनकी छटपटाहट उन्हे लंदन ले आई। वे कहते है कि वह अकुलाहट अभी तक बनी हुई हैं।

**सरलता** – उनके विषय में विख्यात है कि हिन्दी सिनेमा, एवं हिन्दी गाने उन्हे बेहद पसंद है। लंदन के हाइड पार्क में अभी भी वे साइकिल चलाते है। समारोह मे जिस सरलता, सहजता से मुस्कराहट के भाव से उन्होने अपना वक्तव्य रखा, वे क्षण सबों के लिये यादगार बन गये।

**रिश्तों में विश्वास** – अपने परिवार को सदैव से एक सूत्र में जोड़ कर रखे हैं। उन्होने बताया कि मै जहाँ भी रहूँ, मै अपने पिताजी से प्रतिदिन अवश्य बात करता हूँ। समारोह में व्हील चेयर पर उनके पिताजी, उनकी धर्मपत्नी एवं उनकी बहन भी उपस्थित थी। अपने कम्पनी में उच्चस्थ पदाधिकारीयों से भी उनका विशिष्ट आपसी विश्वास का संबंध है।

**लगन** - जो ठान लेते है, उसे करने में कोई कोर कसर नही छोड़ते। विश्व के प्राकृतिक सम्पदा के बड़ी एवं विख्यात कम्पनी का श्री ब्रायन गिलवार्डसन के अवकाश लेने का बाद श्री अग्रवाल उनके घर पहुच गये। एवं आग्रह किया कि उनकी कम्पनी के वोर्ड में शामिल हो जाय। टालने की मशा से उन्होंने श्री अग्रवाल से कह दिया कि आक्सफार्ड से लंदन मेरे साथ साइकिल चलाओ तो में विचार करूंगा। उन्होंने इस चुनौती के स्वीकर किया एवं पूरा भी किया! उनके जीवन मे ऐसे अन्य उदाहरण भी हैं।

राजस्थान से उनका खास लगाव है। उनका तेल एवं गैस का बहुत बड़ा व्यवसाय राजस्थान मे ही है। उनका कहना है कि राजस्थान की धरती के गर्भ में अनेक प्रकार के खनिज एवं तेल छिपे पड़े है। वे बताते है कि एकदिन राजस्थान पूरे भारत का नेतृत्व करेगा। जिन जिन उद्योगो का उन्होने अधिग्रहण किया, उन्होंने उसका विस्तार किया, उन कम्पनियों की कार्य क्षमता एवं उत्पादन वढ़ाया। लाखो लोगों को उन्होंने नौकरियां दी है। १ लाख ६० हजार करोड़ का राजस्व सरकार को तीन वर्षो में मिला है। वेदान्ता फाउन्डेशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सर्वांगीण विकास के लिये सतत प्रयत्नशील हैं। ऐसे व्यक्ति को समाज के साथ जोड़कर सम्मेलन ने अत्यंत ही दूरदर्शी कदम उठाया हैं। सम्मेलन एवं समाज की ओर से सरकार से निवेदन है कि ऐसे व्यक्तित्व को कम से कम पद्मभूषण से सम्मानित करना सर्वथा उचित होगा।

साथ ही साथ मै यह आशा रखता हूँ कि श्री अग्रवाल समाज से अपना सम्पर्क बनाये रखेंगे एवं स्वयं के मारवाड़ी होने का गर्व महसूस करेंगे।

शिव कुमार लोहिया

अध्यक्षीय

# वर्ष २०१९ का स्वागत!

– सन्तोष सराफ

इस माह हम सन् २०१९ में प्रवेश कर रहे हैं। वर्ष २०१८ का अस्त हुआ है एवं वर्ष २०१९ का उदय हुआ है। **सभी समाजबंधुओं को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ। मेरी यह कामना है कि नव वर्ष में सबका जीवन उन्नति, आनन्द एवं स्वास्थ्य से परिपूर्ण रहे।** हर अंत के पश्चात एक नई शुरूआत होती है। नव वर्ष के लिये हम नये संकल्प लेते है। साथ ही साथ यह अवसर है पिछले वर्ष का लेखाजोखा लेने का। वर्ष २०१८ को सम्मेलन के गतिविधियों के परिप्रेक्ष्य में सार्थक वर्ष की संज्ञा दी जा सकती है। इस वर्ष नये सदस्यों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई हैं। कुल मिलाकर लगभग २४०० नये सदस्य बने है जो कि एक रिकार्ड है।

इसके लिये सम्बद्ध प्रांतीय अध्यक्ष एवं पदाधिकारीगण बधाई के पात्र हैं। इस वर्ष ही वर्षो से लम्बित सम्मेलन भवन की भूमिपूजा सम्पन्न हुई। उत्तराखंड में एक विद्यालय भवन निर्माण के लिए ५५ लाख की धनराशि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री की त्रिवेन्द्र सिंह रावत के हाथों सौंपी गई। इस वर्ष जून २०१८ में वाराणसी में सम्पन्न राष्ट्रीय अधिवेशन में मैंने पदभार संभाला था। तत्पश्चात् अभी तक मुझे उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड एवं उत्कल के दौरे का अवसर प्राप्त हुआ। इस दौरान प्रांतों में सम्मेलन की सक्रियता एवं स्थानीय समाजबंधुओ के उत्साह, लगन एवं निष्ठा से अवगत होने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ। मुझे इस बात की खुशी है कि राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारीगण सबको साथ लेकर सम्मेलन के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने मे उद्यमशील है। उच्च शिक्षा सहयोग के क्षेत्र में उल्लेखनीय गतिशीलता आई हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से समाज की अत्यंत ही महत्वपूर्ण आवश्यकता की पूर्ति हो रही है। इस कार्यक्रम में समाज का सहयोग मिल रहा है, जो संतोष एवं हर्ष का विषय है। इसी तरह स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी प्रभावशाली कार्यक्रम हाथ में लेने के विषय में गंभीरता से विचार किया जा रहा है।

२५ दिसम्बर २०१८ को आयोजित ८४वें स्थापना दिवस समारोह में विशिष्ट उद्योगपति एवं समाजसेवी श्री अनिल अग्रवाल की उपस्थिति समाज के लिये शुभ संकेत है। सम्मेलन के माध्यम से भारत में समाज के साथ उनका सम्पर्क स्थापित हुआ है, जो कि स्वागत योग्य है। इस प्रकार सम्मेलन का प्रभाव शनैः-शनैः विस्तार पा रहा है।

सम्मेलन एवं समाज की गतिविधियो से युवा पीढ़ी को जोड़ना अत्यावश्यक है। इस क्षेत्र में भी विशेष प्रयास किये जा रहे है। सामाजिक कार्यों के प्रति युवा पीढ़ी की उदासीनता चिंता का विषय हैं। आज का युवा तीक्ष्ण बुद्धि सम्पन्न एवं उर्जा से भरपूर है। समाज की मुख्यधारा से किन्तु वह विमुख है। युवाओं मे व्यवसाय के प्रति रूझान कम होते जा रहे हैं। देश के शीर्ष व्यवसायियों एवं उद्योगपतियों मे समाज का प्रतिनिधित्व क्षीण होता जा रहा है। नौकरी देने की जगह नौकरी करने की प्रवृति हो रही है। हमारे खान-पान, रहन-सहन, वेश-भूषा, भाषा एवं बुनियादी सोच में बदलाव हो रहा है। जनसाधारण में राजस्थानी भाषा का व्यवहार कम हो रहा है। यहाँ तक कि जयपुर मे भी वोलचाल की भाषा राजस्थानी नहीं रही। एक अनुमान के अनुसार प्रवासी राजस्थानियों में लगभग ९५ प्रतिशत युवा राजस्थानी भाषा का प्रयोग नहीं करते। सम्मेलन इस स्थिति को सोचनीय समझती है। राजस्थानी भाषा के प्रचार-प्रसार के लिये सीताराम रूँगटा ट्रस्ट के सहयोग राजस्थानी व्याकरण की पुस्तक सम्मेलन निःशुल्क वितरित कर रही है। इस विषय में समाजबंधुओ के विचारों का स्वागत है।

वर्ष २०१९ में हमारा प्रयास होगा कि सम्मेलन के संगठन विस्तार की गति अबाध रूप से निरंतर बढ़ती जाये। इसके तहत नये सदस्य बनाना एवं जिन क्षेत्रों में सम्मेलन का प्रतिनिधित्व नहीं है वहाँ पर समाज को संगठित करना है। इस कार्यक्रम के लिये राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण, राष्ट्रीय संगठन मंत्री एवं अन्य पदाधिकारियो का सहयोग मिल रहा है। मुझे आशा है कि इस क्षेत्र में अपनी सफलता को कायम रखते हुए हम सम्मेलन की सांगठनिक शक्ति का विस्तार करने में सफल होंगे। मैं सभी प्रांतीय पदाधिकारियों से अनुरोध करूँगा कि सम्मेलन के विभिन्न कार्यक्रमों को प्रांतो के सभी स्तरों में क्रियाशील बनाये रखें। सम्मेलन की सफलता की कुंजी अंततः प्रांतीय पदाधिकारियो के हाथों में है। राष्ट्रीय कार्यालय की ओर से मैं सभी प्रकार के सहयोग का आश्वासन देता हूँ।

आगामी २६ जनवरी को हम राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस मनाने जा रहे है। इस अवसर पर मैं सभी देशवासियों को अपनी शुभकामनाएँ प्रेषित करता हूँ।

जय समाज, जय राष्ट्र!

# हर तबके के समाजबंधुओं का सम्मेलन से जुड़ना उत्साहवर्धक : संतोष सराफ

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय स्थायी समिति की बैठक गत २२ दिसम्बर २०१८ को डकबैक हाउस, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता स्थित सम्मेलन कार्यालय सभागार में आयोजित की गई। यह वर्तमान सत्र में इस समिति की दूसरी बैठक थी।

बैठक में सर्वप्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने सभी उपस्थितों का स्वागत किया और सम्मेलन की वर्तमान गतिविधियों के विषय में संक्षेप में बताया। उन्होंने कहा कि जून २०१८ से प्रारम्भ इस सत्र में अब तक डेढ़ हजार से अधिक नये सदस्य बनाये जा चुके हैं, जो प्रसन्नता का विषय है। संगठन-विस्तार में अग्रणी भूमिका हेतु श्री सराफ ने उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष श्री अशोक जालान एवं बिहार सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बिनोद तोदी का आभार व्यक्त किया।

श्री सराफ ने अपने उत्तर प्रदेश (११-१२ अक्तूबर २०१८), उत्तराखंड (२२ अक्तूबर २०१८), गुजरात (२७-२८ अक्तूबर २०१८) एवं झारखंड (९-११ दिसम्बर २०१८) के दौरों के विषय में बताते हुए कहा कि समाजबंधुओं में सम्मेलन के प्रति उत्साह की भावना है। पूरे देश में समाज के हर तबके के लोग सम्मेलन के साथ जुड़ रहे हैं जो उत्साहवर्धक है।

श्री सराफ ने कहा कि उच्च शिक्षा हेतु जरूरतमंद एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को अनुदान सम्मेलन के प्रमुख कार्यक्रमों में से एक है और इस कार्यक्रम को और विस्तृत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उच्च शिक्षा कोष में दान हेतु प्रेरित करने के लिए उन्होंने सम्मेलन के समाजसुधार उपसमिति के चेयरमैन **श्री जुगल किशोर सर्राफ** एवं इस कोष में अच्छी राशि दानस्वरूप प्रदान करने हेतु उद्योगपति-समाजसेवियों **श्री संदीप फोगला, श्री श्रीकुमार बाँगड़** और **श्री आनन्द कुमार अग्रवाल** का आभार व्यक्त किया।

कार्यसूची के अनुसार, बैठक में राष्ट्रीय स्थायी समिति की पिछली बैठक (०८ सितम्बर २०१८, कोलकाता) का कार्यवृत पारित हुआ। राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने 'महामंत्री की रपट' प्रस्तुत की।

रोजगार सहायता उपसमिति के चेयरमैन **श्री दिनेश जैन**, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया** एवं सदस्यता-विस्तार उपसमिति के चेयरमैन **श्री गोपाल अग्रवाल** ने अपनी-अपनी उपसमिति की प्रगति एवं भावी कार्यक्रमों के विषय पर चर्चा की।

बैठक में २५ दिसम्बर २०१८ को आयोजित सम्मेलन के ८४वें स्थापना दिवस समारोह के तैयारियों की समीक्षा की गई और उससे सम्बंधित कार्यभार सौंपे गये।

अंत में सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला ने धन्यवाद-ज्ञापन किया और बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विवेक गुप्त**, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, सर्वश्री गोबिन्द आगरवाला, इंदचंद मेहरीवाल, दीपक बुचासिया, अमित मूँधड़ा, संदीप सेक्सरिया, राधाकिशन सफ्फड़, प्रमोद कुमार गोयनका** आदि उपस्थित थे।

*With Best Compliments From:*

# ROAD CARGO MOVERS PVT. LTD.

Head Office : 3, Gibson Lane, 2nd Floor
Suite-211, Kolkata-700 069

Phone : 2210-3480, 2210-3485

Fax : 2231-9221

E-mail: roadcargo@vsnl.net

***Branches & Associates:***

**GUWAHATI, SILIGURI, DURGAPUR, HALDIA, KHARAGPUR,**

**BALASORE, BHUBNESWAR, CUTTUCK, ICCAPURAM, VISHAKAPATNAM,**

**VIJAYWADA, HYDERABAD, CHENNAI, BANGALORE, COCHIN, GAZIABAD (U.P. BORDER), INDORE**

# ईमानदारी, परिश्रम व दूरदर्शिता मारवाड़ी समाज की विशेषताः राज्यपाल केशरीनाथ त्रिपाठी

## जितना हम देंगे, उसका दस गुना आयेगाः अनिल अग्रवाल, चेयरमैन, वेदांता ग्रुप

*स्थापना दिवस समारोह झलकियाँ*

**"मारवाड़ी समाज का देश के स्वतंत्रता-संग्राम एवं उसके पश्चात् राष्ट्र के निर्माण में सर्वरूपेण उल्लेखनीय योगदान रहा है। यह समाज देश का प्रमुख उद्यमशील समाज है। कठिन परिश्रम, ईमानदारी, जोखिम उठाने की क्षमता एवं दूरदर्शिता इस समाज की विशेषताएँ हैं। इन्हीं गुणों के बल-बूते समाज ने अपना विशिष्ट स्थान बनाया है।"** ये उद्‌गार हैं पश्चिम बंग के महामहिम राज्यपाल **श्री केशरीनाथ त्रिपाठी** के, जो उन्होंने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८४वें स्थापना दिवस समारोह में उद्‌घाटनकर्ता के रूप में अपने उद्‌बोधन में व्यक्त किए। समारोह कोलकाता स्थित कला मंदिर सभागार में गत २५ दिसम्बर २०१८ को आयोजित किया गया।

महामहिम राज्यपाल ने स्थापना दिवस के अवसर पर सम्मेलन से जुड़े सभी लोगों को बधाई देते हुए कहा कि इतने लम्बे समय तक सक्रिय रूप से समाज की सेवा करते रहना अपने आप में गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि धन कमाने के साथ-साथ दान देने की प्रवृति मारवाड़ी समाज की खासियत रही है। परिणामतः जगह-जगह समाज द्वारा निर्मित विद्यालय, चिकित्सालय, धर्मशाला एवं मंदिर मिल जायेंगे। स्वतंत्रता आन्दोलन में मारवाड़ी समाज के अवदान को अंग्रेजों एवं गाँधीजी ने भी स्वीकारा था – व्यापारी वर्ग होते हुए भी, बिना डरे, खुलकर गांधीजी एवं क्रांतिकारियों को अपना सहयोग दिया। आज समाज के युवक-युवती अपने पारम्परिक उद्योग-व्यापार से बाहर निकलकर सभी क्षेत्रों में सक्रिय हैं और महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। **श्री त्रिपाठी ने कहा कि प्रगति की ओर कदम बढ़ाते हुए हमें स्वयं को संस्कार, संस्कृति, साहित्य, आदि के मूलभूत आधारों से जोड़े रहना चाहिए और यह हर्ष का विषय है कि सम्मेलन इस विषय पर सजग है तथा समाज को उचित नेतृत्व प्रदान कर रहा है।**

समारोह के मुख्य अतिथि, वेदांता ग्रुप के चेयरमैन **श्री अनिल अग्रवाल,** जो लंदन से विशेष तौर पर इस समारोह के लिए पधारे थे, ने कहा कि **हम सब भले ही बंगाली, बिहारी या मारवाड़ी हों, पर मूल रूप से हम सभी हिन्दुस्तानी हैं।** उन्होंने कहा कि १७वीं शताब्दी में जब मुगलों का राज था, तब भी बैंकर मारवाड़ी ही थे। आज भी मारवाड़ी टैक्स एवं नौकरी दोनों देते हैं। **श्री अग्रवाल ने कहा कि दान देने से धन घटता नहीं है, जितना आप देंगे, उसका दस गुना आयेगा।** उन्होंने अग्रणी समाजसेवी स्व. सीताराम सेक्सरिया का उल्लेख किया और कहा कि उनके समाज सेवामूलक कार्य हमारे प्रेरणास्रोत हैं।

श्री अग्रवाल ने कहा कि जितनी संपदा भारत में है, उतनी

पूरी दुनिया में नहीं। भारत केवल एक देश नहीं अपितु महाद्वीप है। प्रश्नोत्तर काल में, सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया** के एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि **व्यापार में जोखिम उठाना ही पड़ेगा— हिम्मते मरदां, मददे खुदा।** समाजसेवी-उद्योगपति **श्री हरिप्रसाद बुधिया** के समय-नियोजन के विषय पर प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि तन्मय एवं केन्द्रित होकर काम करने से हर काम के लिए समय निकल आता है।

समारोह के मुख्य वक्ता एवं सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने अपने वक्तव्य में सम्मेलन की पृष्ठभूमि, इतिहास एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि **समाज में जब तक आर्थिक असमानता है और सरकार द्वारा गरीब एवं कमजोर वर्ग के लिए सामाजिक सुरक्षा की व्यवस्था नहीं होती, तब तक समाज के सम्पन्न वर्ग का एक सामाजिक दायित्व है जिसे मारवाड़ी समाज बखूबी निभा रहा है।**

सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **सेठ गोबिन्द दास** की प्रसिद्ध उक्ति, **हमें टका धर्म को अलविदा कहना होगा,** का उल्लेख करते हुए श्री सीताराम शर्मा ने समाज में धन के बढ़ते महत्व पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि **जो भी सम्पत्ति और साधन हमारे हाथ में हैं, वे हमारे पास थाती, ट्रस्टी के रूप में हैं, और समाजहित में उनका समुचित उपयोग करना हमारा दायित्व है।**

श्री सीताराम शर्मा ने समारोह के मुख्य अतिथि श्री अनिल अग्रवाल के विषय में भी कई दृष्टांत दिए और कहा कि संयुक्त परिवार की जिस भावना की सम्मेलन वकालत करते रहा है, श्री अग्रवाल उसके जीवंत एवं अनुकरणीय उदारहण हैं। उन्होंने लोकोपकार, खासकर शिक्षा के क्षेत्र में, वेदांता फाउंडेशन के कार्यक्रमों की भी सराहना की।

प्रारम्भ में महामहिम राज्यपाल श्री केशरीनाथ त्रिपाठी ने सम्मानित अतिथियों एवं सम्मेलन के पदाधिकारियों के साथ विघ्नहर्ता श्री महागणेश के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया। सम्मेलन के उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, संयुक्त महामंत्री श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, संगठन मंत्री श्री गोपाल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी, श्रीमती प्रभा सराफ एवं श्रीमती सुषमा अग्रवाल ने दुपट्टा, पुष्पगुच्छ आदि से अतिथियों का स्वागत किया।

अपने वक्तव्य में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** ने सभी उपस्थितों का स्वागत किया। सम्मेलन के ८३ वर्ष पूरे होने पर उन्होंने कहा कि यह एक गौरव की बात है, साथ ही इस बात की परिचायक भी कि हमारे स्वनामधन्य पूर्वजों ने जिन पवित्र उद्देश्यों के साथ इस संस्था की स्थापना की थी, वे आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। वैचारिक संस्था के रूप में सम्मेलन की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए **श्री सराफ ने महात्मा गांधी को उद्धृत करते हुए कहा कि राजनैतिक परिवर्तन सहज है किन्तु सामाजिक परिवर्तन बहुत कठिन एवं समय लेनेवाला**

## सम्मान समारोह

उपस्थित जनसमुदाय की करतल ध्वनि के बीच वेदांता ग्रुप के चेयरमैन **श्री अनिल अग्रवाल** को "मारवाड़ी सम्मेलन राजस्थानी व्यक्तित्व सम्मान-२०१७" प्रदान करने की प्रक्रिया प्रारम्भ हुई। परम्परानुसार, श्री अग्रवाल का संक्षिप्त परिचय सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने प्रस्तुत किया। श्री अग्रवाल को माला, साफा, शॉल, मानपत्र एवं एक लाख रुपयों की राशि का चेक प्रदान किया गया। सम्मेलन के निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री प्रह्लाद राय अगरवाला, पूर्व अध्यक्ष श्री रामअवतार पोद्दार, समाज सुधार उपसमिति के चेयरमैन डॉ. जुगल किशोर सर्राफ, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन श्री आत्माराम सोंथलिया, उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष श्री अशोक जालान, झारखंड सम्मेलन के अध्यक्ष श्री निर्मल काबरा एवं महामंत्री श्री सुरेश सोन्थलिया, पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नंदकिशोर अग्रवाल, गुजरात सम्मेलन के उपाध्यक्ष श्री गोकुल चंद बजाज, आदि ने माल्यार्पण कर श्री अग्रवाल का सन्मान किया।

ज्ञातव्य है कि दिल्ली के समाजसेवी संस्था **रामनिवास आशारानी लाखोटिया ट्रस्ट** के सौजन्य से २०१४ में स्थापित यह सम्मान सम्मेलन द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्र एवं समाज के सांस्कृतिक, सामाजिक, साहित्यिक, शैक्षणिक, औद्योगिक एवं चारित्रिक विकास के क्षेत्र में अनूठे एवं महत्वपूर्ण योगदान के लिए राजस्थानी मूल के एक व्यक्ति को दिया जाता है। स्थापना वर्ष २०१४ में यह सम्मान प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय की कुलपति, सुख्यात वैज्ञानिक एवं शिक्षाविद **श्रीमती अनुराधा लोहिया** को दिया गया, २०१५ हेतु भारत के सर्वोच्च न्यायालयके पूर्व मुख्य न्यायाधीश **न्यायमूर्ति श्री रमेशचन्द्र लाहोटी** को चयनित किया गया एवं २०१६ हेतु समर्पित समाजसेवी **पद्मभूषण श्रीमती राजश्री बिड़ला** को सम्मानित किया गया।

# स्थापना दिवस समारोह झलकियाँ

**कार्य है।** उन्होंने कहा कि समयान्तर में परिस्थितियाँ एवं समस्याएँ बदली हैं, अतः हमें अपने प्रयासों में निरन्तरता बनाये रखनी होगी और समाज के हर तबके को अपने साथ लेना होगा। श्री सराफ ने सम्मेलन के संगठन-विस्तार और वर्तमान गतिविधियों के विषय में भी संक्षेप में बताया।

समारोह के विशिष्ट अतिथि, उद्योगपति-समाजसेवी **श्री रघुनंदन मोदी** ने मायड़ भाषा में अपने वक्तव्य में श्री अनिल अग्रवाल को कर्मयोगी बताया। उन्होंने श्री अग्रवाल के जीवन के कई दृष्टांत दिए और कहा कि समाजहित में धनव्यय करने की इनकी प्रवृत्ति रही है तथा धन का घमंड लेशमात्र भी नहीं है। उन्होंने कहा कि मारवाड़ी का काम ही है कि धन कमाये और दान दे।

समारोह में दिल्ली से पधारे उद्योगपति-समाजसेवी श्री महेश भागचंदका विशिष्ट अतिथि एवं अखिल भारतीय युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अमित कुमार अगरवाला सम्मानित अतिथि के रूप में मंचस्थ थे। समारोह में सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण श्री नंदलाल रुँगटा एवं डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, मुख्य अतिथि श्री अनिल अग्रवाल के पिता श्री द्वारका प्रसाद अग्रवाल, धर्मपत्नी श्रीमती किरण अग्रवाल एवं बहन श्रीमती सुमन डीडवानिया भी उपस्थित थे।

सम्मान समारोह की समाप्ति के बाद, स्वागत समिति के चेयरमैन एवं सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विवेक गुप्त** ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए महामहिम राज्यपाल एवं श्री अनिल अग्रवाल सहित सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। समारोह का संचालन करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने सम्मेलन से संबंधित महत्वपूर्ण एवं ज्ञानप्रद दृष्टांतों एवं उपाख्यानों से कार्यक्रम को सरस एवं सुरुचिपूर्ण बनाये रखा।

समारोह के अंत में कोलकाता के **हार्मोनी ग्रुप** ने **श्री राजेश सादानी** के निर्देशन में देशप्रेम की भावना से ओतप्रोत कार्यक्रम **'म्हारो देश रंगीलो'** की प्रस्तुति की। मारवाड़ सहित भारत के विभिन्न प्रदेशों की मनमोहक एवं दर्शनीय झाँकियाँ इन्होंने प्रस्तुत की एवं दर्शकों को झूमते रहने के लिए मजबूर रखा। खचाखच भरा कला मंदिर सभागार दर्शकों की तालियों से गुंजता रहा।

# आर्यमन अग्रवाल पुरस्कृत

कोलकाता के १७ वर्षीय युवा आर्यमन अग्रवाल को गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्रधान मंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार के लिये चयन किया गया। राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने आर्यमन को अपने हाथो पुरस्कृत किया। यह गर्व की बात है कि आर्यमन कोलकाता के सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं समाजसेवी, श्री चांद बाबु अग्रवाल का सुपौत्र है। आर्यमन को यह पुरस्कार कला एवं संस्कृति के लिये दिया गया है।

आठ वर्ष की आयु से आर्यमन जादु की कला में महारत हासिल करना प्रारम्भ किया। देश में सबसे कम उम्र के जादुगर के रूप मे आर्यमन का नाम इंडिया बुक आफ रिकाई में दर्ज है। साथ ही साथ एशिया बुक आफ रिकार्ड में भी सबसे कम उम्र के एशिया के जादूगर के रूप में नाम दर्ज है।

सन् २०१७ में कोलकाता यूवा क्लब का गठन किया। गरीब बच्चों को वह जादू सिखाता है एवं उनके कल्याण के लिये अन्य कार्यक्रमों का भी आयोजन करता है।

वर्तमान पुरस्कार के साथ उसे एक लाख की राशि सरकार की ओर से मिली है, जो कि उसने प्रधान मंत्री राहत कोष में देने कि घोषणा की।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से आर्यमन अग्रवाल को उसके उज्ज्वल भविष्य के लिये हार्दिक शुभकामनाएँ एवं वर्तमान पुरस्कार के लिए हार्दिक बधाई।

# राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष कुमारजी सराफ का झारखण्ड दौरा

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ तीन दिवसीय झारखण्ड दौरे पर ९ दिसम्बर २०१८ को राँची पहुंचे। बिरसा मुंडा हवाई अड्डे पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री भागचंद पोद्दार, झारखण्ड के उपाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, श्री बसंत मित्तल, श्री बजरंग लाल अग्रवाल एवं श्री विजय गाड़ोदिया ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया।

राँची की १०५ वर्ष पुरानी सामाजिक संस्था मारवाड़ी सहायक समिति द्वारा आयोजित दिव्यांगों को कृत्रिम अंग प्रदान करने के शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में श्री संतोष सराफ ने चयनित दिव्यांगों को व्हील चेयर एवं कृत्रिम अंग प्रदान किये एवं समाज द्वारा किये जा रहे सेवा कार्यों की प्रशंसा की। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय कार्यालय का भी अवलोकन किया।

श्री संतोष जी ने दोपहर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के आवास पर समाजबंधुओं से सम्मेलन एवं समाज के विभिन्न मुद्दे पर व्यापक चर्चा की। झारखण्ड से राज्य सभा सांसद श्री महेश पोद्दार एवं झारखण्ड उच्च न्यायालय के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री रमेश मेरिठया ने भी राष्ट्रीय अध्यक्ष से शिष्टाचार भेंट की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने श्री पोद्दार के भारतीय जनता पार्टी का अंतर्राष्ट्रीय मंच पर प्रतिनिधित्व करने पर बधाई दी। इस अवसर पर श्री मंगतूराम जी गाड़ोदिया, श्री विनय सरावगी, श्री भागचंद पोद्दार, श्री चंडी प्रसाद डालमिया, श्री सुरेश अग्रवाल, श्री विजय गाड़ोदिया, श्री बसंत मित्तल सहित कई समाजबंधु उपस्थित थे।

रविवार ९ दिसम्बर को ही रामगढ़ जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा रामगढ़ के होटल शिवम् इन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री

संतोष सराफ का एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया का अभिनन्दन किया गया। इस बैठक में श्री बसंत मित्तल, श्री नानूराम गोयल, श्री विमल बुधिया, श्री विजय मेवाड़ सहित कई समाजबंधु उपस्थित थे। सोमवार १० दिसम्बर २०१८ को प्रातः ११ बजे हज़ारीबाग़ के जैन भवन के सभागार में हज़ारीबाग़ जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया का अभिनन्दन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता हज़ारीबाग़ जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार अग्रवाल ने की। इस बैठक में हज़ारीबाग़ के माहेश्वरी परिवार की अस्वाभाविक निधन सहित कई मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई इसमें श्री बसंत मित्तल, श्री दुर्गा प्रसाद अग्रवाल, श्री बजरंग लाल अग्रवाल, श्री धीरज जैन सहित कई समाजबंधु उपस्थित थे।

मंगलवार ११ दिसम्बर २०१८ को राँची के होटल ग्रीन एकर्स में झारखण्ड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष कुमार सराफ एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया का अभिनन्दन किया। इस बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल ने की जिसमे समाज के कई मुद्दों पर चर्चा हुई इसमें श्री बसंत मित्तल, श्री अरुण बुधिया, श्री कौशल राजगढ़िया, झारखण्ड प्रांतीय युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष श्री अभिषेक अग्रवाल सहित अच्छी संख्या में समाज के महिलाओं-पुरुषों ने भाग लिया।

मंगलबार ११ दिसम्बर को दोपहर श्री सराफ कोलकाता प्रस्थान कर गये। राष्ट्रीय अध्यक्ष का तीन दिवसीय झारखण्ड दौरा हर दृष्टिकोण से सफल रहा। इस दरम्यान समाजबंधुओं से सभी विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। राष्ट्रीय अध्यक्ष के इस दौरे से झारखण्ड में सम्मेलन के कार्यों में तेजी जाएगी एवं सम्मेलन समाज के व्यापक हित में तीव्र गति से आगे बढ़ेगा इसकी पूरी आशा है।

# लिए गए संविधान-संशोधन सम्बंधी महत्वपूर्ण निर्णय

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक गत १६ दिसम्बर २०१८ को सम्मेलन कार्यालय सभागार (डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता) में राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ** के सभापतित्व में आयोजित की गयी।

अपने अध्यक्षीय उद्‌बोधन में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने सर्वप्रथम सभी, विशेषकर कोलकाता के बाहर से पधारे, सदस्यों का स्वागत किया। उन्होंने सम्मेलन की हालिया गतिविधियों और भावी कार्यक्रमों के विषय में संक्षेप में बताया। श्री सराफ ने अपने उत्तर प्रदेश (११-१२ अक्तूबर २०१८), उत्तराखंड (२२ अक्तूबर २०१८), गुजरात (२७-२८ अक्तूबर २०१८) एवं झारखंड (९-११ दिसम्बर २०१८) के दौरों के विषय में बताते हुए कहा कि वे जहाँ भी गए वहा समाजबंधुओं का सम्मेलन के प्रति उत्साह दिखा जो अत्यंत हर्ष का विषय है। वर्तमान सत्र हेतु अपनी प्राथमिकताओं की चर्च करते हुए उन्होंने कहा कि देश में करीब ७०० जिले हैं और प्रत्येक जिले में सम्मेलन की शाखाएँ हों, सम्मेलन का भवन/कार्यालय हो, यह हमारा लक्ष्य होना चाहिए। श्री सराफ ने कहा कि वर्तमान सत्र में कम से कम ३०० जिलों से सम्पर्क-सूत्र स्थापित करना हमारी प्राथमिकताओं में है।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री **श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला** ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की पिछली बैठक (१८ अगस्त २०१८; कोलकाता) का कार्यवृत प्रस्तुत किया जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। श्री झुनझुनवाला ने पिछली बैठक के बाद के सम्मेलन की गतिविधियों पर 'महामंत्री की रपट' एवं 'वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति द्वारा लिए गए निर्णयों पर कार्यवाही की रपट' भी प्रस्तुत की।

महामंत्री की रपट पर चर्चा में भाग लेने हुए बिहार सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बिनोद तोदी** ने कहा कि अखिल भारतीय समिति हेतु मनोनयन एवं उपसमितियों के गठन में प्रादेशिक शाखाओं से भी राय लेनी चाहिए। पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंदकिशोर अग्रवाल** ने कहा कि उच्च शिक्षा अनुदान हेतु प्राप्त आवेदनों का निस्तारण भली-भांति होना चाहिए। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने कहा कि अनुदान हेतु आवेदन भेजते समय प्रस्तावक को सभी पहलुओं पर गौर करना चाहिए। पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री नंदलाल रुँगटा** ने उच्च शिक्षा कोष से अनुदान की प्रक्रिया और उसके महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर प्रकाश डाला।

महामंत्री के रपट में उल्लिखित उत्तराखंड में विद्यालय के भवन-निर्माण हेतु सहयोग एवं बद्रीनाथ धाम में सामुदायिक भवन के निर्माण पर चर्चा के क्रम में पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सीताराम शर्मा ने प्रस्ताव रखा कि इसके लिए एक 'मॉनिटरिंग कमिटि' बनानी चाहिए, इस पर सभी ने सहमति व्यक्त की।

कार्यसूची के अनुसार, अखिल भारतीय समिति में सदस्यों के मनोनयन के विषय पर विचार-विमर्श हुआ। राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री संजय हरलालका** ने प्रस्ताव रखा कि संविधान की धारा ९(५)(ग), ९(५)(घ), ९(६)(क), ९(१२) एवं १०(२) के अन्तर्गत अखिल भारतीय समिति के सदस्यों एवं रिक्तियों को पूर्ण करने हेतु मनोनयन का अधिकार राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ को दे दिया जाए। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुआ।

कार्यसूची के अनुसार, सम्मेलन की संविधान उपसमिति द्वारा संविधान में संशोधन सम्बंधी अनुशंसाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। चर्चा में राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री संतोष सराफ**, संविधान उपसमिति के चेयरमैन एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री रामअवतार पोद्दार**, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षगण **श्री सीताराम शर्मा** एवं **श्री नंदलाल रुँगटा**, वित्तीय उपसमिति के चेयरमैन **श्री आत्माराम सोन्थलिया**, संविधान उपसमिति के संयोजक एवं राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री संजय हरलालका**, बिहार सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बिनोद तोदी**, उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री अशोक जालान** एवं महामंत्री **श्री बिजय कुमार केडिया**, पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंदकिशोर अग्रवाल**, झारखंड सम्मेलन के महामंत्री **श्री सुरेश सोन्थलिया** सहित लगभग प्रत्येक उपस्थित सदस्य ने भाग लिया। विचार-विमर्श का निष्कर्ष निम्नवत है, जिसे आगे की कार्यवाही हेतु अखिल भारतीय समिति को अग्रसारित करने का निर्णय लिया गया।

| संविधान की वर्तमान धारा | प्रस्तावित धारा | निष्कर्ष/टिप्पणी |
|---|---|---|
| ४(३) जिला सभा | ४(३) जिला/प्रमंडल सम्मेलन। | सहमति। |
| ५(अ)(२) सम्मेलन के सदस्य पाँच प्रकार के होंगे:–<br>(अ) साधारण सदस्य (ब) विशिष्ट सदस्य (स) आजीवन सदस्य (द) संरक्षक सदस्य (ई) विशिष्ट संरक्षक सदस्य | ५(अ)(२) सम्मेलन के सदस्य चार प्रकार के होंगे:–<br>(अ) वार्षिक सदस्य (ब) आजीवन सदस्य (स) संरक्षक सदस्य (द) विशिष्ट संरक्षक सदस्य | सहमति। |
| ५(अ)(२)(क) कम से कम १०० रुपये वार्षिक शुल्क दे, वह व्यक्ति सम्मेलन का साधारण सदस्य माना जायेगा। | यह धारा हटा दी जाये। | सहमति। |
| ५(अ)(२)(ख) कम से कम ५०० रुपये वार्षिक शुल्क दे, वह व्यक्ति सम्मेलन का विशिष्ट सदस्य माना जायेगा। | ५(अ)(२)(क) कम से कम ५०० रुपये वार्षिक शुल्क दे, वह व्यक्ति सम्मेलन का वार्षिक सदस्य माना जायेगा। | सहमति। |
| ५(अ)(२)(ग) कम से कम २,५०० रुपये की राशि दे, वह व्यक्ति सम्मेलन का आजीवन सदस्य माना जायेगा। | ५(अ)(२)(ख) कम से कम ५,००० रुपये की राशि दे, वह व्यक्ति सम्मेलन का आजीवन सदस्य माना जायेगा। | विहार सम्मेलन के पदाधिकारियों के अतिरिक्त शुल्क बढ़ाने पर आम सहमति थी। |
| ७ संगठनात्मक कार्यों के लिए प्रादेशिक सम्मेलन अपनी सुगमता देखकर प्रमंडलीय/ जिला सम्मेलन का गठन कर सकेगा। चुनाव एवं आय-व्यय विवरण सम्बंधी नियम शाखा सम्मेलन के उपरोक्त नियमों ६(३)(४) के अनुसार होंगे। | ७ संगठनात्मक कार्यों के लिए प्रादेशिक सम्मेलन अपनी सुगमता देखकर प्रमंडलीय/ जिला सम्मेलन का गठन कर सकेगा। प्रमंडलीय/जिला सम्मेलन के चुनाव शाखा सम्मेलन के उपरोक्त नियम ६(३) के अनुसार होंगे। | सहमति। |
| ८(३) हर एक प्रादेशिक सम्मेलन के पदाधिकारियों तथा उसकी प्रादेशिक समिति का कार्यकाल दो वर्ष का होगा। इसके पिछले निर्वाचन से यदि किसी कारणवश ३ वर्ष के अन्दर प्रादेशिक सम्मेलन के नये पदाधिकारियों का चुनाव नहीं हो जाये तो वर्तमान पदाधिकारी स्वतः ही अपने पद से मुक्त माने जायेंगे और उसके सभी अधिकार केन्द्रीय सम्मेलन में निहित होंगे। केन्द्रीय सम्मेलन की कार्यकारिणी समिति को अगले तीन माह के भीतर उस प्रदेश का आगामी अधिवेशन बुलाने और नये पदाधिकारियों के चुनाव के आयोजन के लिए एक तदर्थ समिति बनाने का अधिकार होगा। ऐसी तदर्थ समिति का अधिकतम कार्यकाल एक वर्ष का होगा। | ८(३) हर एक प्रादेशिक सम्मेलन के पदाधिकारियों तथा उसकी प्रादेशिक समिति का कार्यकाल दो वर्ष का होगा। इसके पिछले निर्वाचन से यदि किसी कारणवश २ वर्ष के अन्दर प्रादेशिक सम्मेलन के नये चुनाव न हो जायें तो अगले तीन माह के भीतर चुनाव में विलम्ब का कारण बताते हुए केन्द्र की अनुमति ली जानी चाहिए और केन्द्र के निर्देश का पालन होना चाहिए अन्यथा छः माह के भीतर वर्तमान पदाधिकारी स्वतः अपने पद से मुक्त माने जायेंगे और उसके सभी अधिकार केन्द्रीय सम्मेलन में निहित होंगे। सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष को तत्काल उस प्रदेश का आगामी अधिवेशन बुलाने और नये पदाधिकारियों के चुनाव के आयोजन के लिए एक तदर्थ समिति को बनाने का अधिकार होगा। ऐसी तदर्थ समिति का अधिकतम कार्यकाल तीन माह का होगा। | सहमति। |
| ९(५)(क)(४) उपरोक्त प्रत्येक श्रेणी में निर्वाचित सदस्यों की संख्या २५ से अधिक नहीं होगी। उक्त निर्धारित सदस्यता अनुपात के अभाव में सम्बंधित प्रादेशिक सम्मेलन को अपनी कार्यकारिणी समिति की सहमति से सभी श्रेणीयों से मिलाकर अधिकतम ५ सदस्य मनोनीत करने का अधिकार होगा। | ९(५)(क)(४) संरक्षक एवं आजीवन सदस्य श्रेणियों से निर्वाचित सदस्यों की संख्या ३५ से अधिक नहीं होगी। वार्षिक सदस्य श्रेणी में निर्वाचित सदस्यों की अधिकतम संख्या २५ होगी। उक्त निर्धारित सदस्यता अनुपात के अभाव में सम्बंधित प्रादेशिक सम्मेलन को अपनी कार्यकारिणी समिति की सहमति से सभी श्रेणियों से मिलाकर अधिकतम ५ सदस्य मनोनीत करने का अधिकार होगा। | सहमति। |

| संविधान की वर्तमान धारा | प्रस्तावित धारा | निष्कर्ष/टिप्पणी |
|---|---|---|
| ९(९) अखिल भारतीय समिति के दो वर्षीय सत्र का सदस्यता शुल्क २०० रुपये होगा। | ९(९) अखिल भारतीय समिति के दो वर्षीय सत्र का सदस्यता शुल्क ५०० रुपये होगा। निर्वाचन/मनोनयन के ६ माह के अन्दर यह शुल्क नहीं देने पर निर्वाचित/मनोनीत सदस्य की अखिल भारतीय समिति की सदस्यता निरस्त हो जाएगी।<br>पदेन सदस्यों को यह शुल्क नहीं देना होगा। | सहमति। |
| ९(१३) अखिल भारतीय समिति की बैठक की सूचना बैठक की तिथि से १५ दिन पहले सदस्यों को भेजनी होगी। | ९(१३) अखिल भारतीय समिति की बैठक की सूचना बैठक की तिथि से २५ दिन पहले सदस्यों को भेजनी होगी। | सहमति। |
| १०(५) राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक का स्थान तथा समय राष्ट्रीय महामंत्री राष्ट्रीय अध्यक्ष की सलाह से निश्चित करेंगे। साधारणतः कम से कम तीन महीने में एक बैठक होगी। बैठक की सूचना ७ दिन पूर्व देना आवश्यक है किन्तु आवश्यक कारणों से तीन दिन की सूचना पर बैठक आयोजित की जा सकती हैं। | १०(५) राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक का स्थान तथा समय राष्ट्रीय महामंत्री राष्ट्रीय अध्यक्ष की सलाह से निश्चित करेंगे। साधारणतः कम से कम तीन महीने में एक बैठक होगी। बैठक की सूचना २१ दिन पूर्व देना आवश्यक है किन्तु आवश्यक कारणों से तीन दिन की सूचना पर बैठक आयोजित की जा सकती हैं। | सहमति। |
| १३(३) सभी प्रकार के अधिवेशनों के लिए कोरम ३१ सदस्यों का होगा एवं २१ दिन पूर्व सूचना भेजना आवश्यक होगा। | १३(३) सभी प्रकार के अधिवेशनों के लिए कोरम ३१ सदस्यों का होगा एवं कम से कम ३० दिन पूर्व सूचना भेजना आवश्यक होगा। | सहमति। |
| १६ प्रतिनिधि निर्वाचन : सम्मेलन का प्रत्येक सदस्य सम्मेलन के अधिवेशन में निर्धारित शुल्क देकर प्रतिनिधि बन सकेगा और प्रतिनिधि शुल्क या उसके निर्धारित हिस्से पर केन्द्र का अधिकार होगा। | १६ प्रतिनिधि पंजीकरण : सम्मेलन का प्रत्येक सदस्य सम्मेलन के अधिवेशन में निर्धारित शुल्क देकर प्रतिनिधि बन सकेगा और प्रतिनिधि शुल्क या उसके निर्धारित हिस्से पर केन्द्र का अधिकार होगा।<br>निर्धारित प्रतिनिधि शुल्क देकर समाज का कोई भी व्यक्ति अधिवेशन के उद्घाटन सत्र में भाग ले सकता है। | सहमति। |
| (२०)(२) साधारण अधिवेशन की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष करेंगे। शेष पदाधिकारियों का मनोनयन राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा किया जायेगा। पदाधिकारियों का कार्यकाल दो वर्ष का होगा, किन्तु जब तक नवीन चुनाव न हो जायेगा तब तक वही पदाधिकारी कार्यभार सम्हाले रहेंगे। लेकिन किसी कारणवश ४ वर्ष के अन्दर नये राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो पाता है तो वर्तमान पदाधिकारी स्वतः ही अपने पद से मुक्त माने जायेंगे और अखिल भारतीय समिति को अधिकार होगा कि तीन महीने में नये पदाधिकारियों का आगामी अधिवेशन बुलाने के लिए चुनाव कर लेवें। ऐसे पदाधिकारियों का अधिकतम कार्यकाल अधिकतम एक वर्ष होगा। | (२०)(२) साधारण अधिवेशन की अध्यक्षता सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष करेंगे। शेष पदाधिकारियों का मनोनयन राष्ट्रीय अध्यक्ष के द्वारा किया जायेगा। पदाधिकारियों का कार्यकाल दो वर्ष का होगा, किन्तु जब तक नवीन चुनाव न हो जायेगा तब तक वही पदाधिकारी कार्यभार सम्हाले रहेंगे। लेकिन किसी कारणवश ३ वर्ष के अन्दर नये राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव नहीं हो पाता है तो वर्तमान पदाधिकारी स्वतः ही अपने पद से मुक्त माने जायेंगे और अखिल भारतीय समिति को अधिकार होगा कि तीन महीने में नये पदाधिकारियों का आगामी अधिवेशन बुलाने के लिए चुनाव कर लेवें। ऐसे पदाधिकारियों का अधिकतम कार्यकाल अधिकतम एक वर्ष होगा। | सहमति। |

कार्यसूची के अनुसार, बैठक में २५ दिसम्बर २०१८ को आयोजित सम्मेलन के ८४वें स्थापना दिवस समारोह के तैयारियों की समीक्षा की गई।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री **श्री गोपाल अग्रवाला** ने संगठन-विस्तार पर रपट प्रस्तुत करते हुए बताया कि तेलंगाना में प्रादेशिक शाखा की स्थापना हुई है और शीघ्र ही तमिलनाडु एवं कर्नाटक प्रादेशिक शाखाओं का भी पुनर्गठन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सदस्यता-विस्तार की गति भी संतोषप्रद है। श्री अग्रवाल ने उत्कल एवं बिहार सम्मेलन का सदस्यता-विस्तार में अग्रणी भूमिका हेतु आभार व्यक्त किया।

पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री विनय सरावगी** ने कहा कि सम्मेलन द्वारा दिए जाने वाले सम्मानों में एक सम्मान कला-संस्कृति के क्षेत्र से भी होना चाहिए।

बिहार सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बिनोद तोदी**, उत्कल सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री बिनोद तोदी**, पश्चिम बंग सम्मेलन के अध्यक्ष **श्री नंदकिशोर अग्रवाल** एवं झारखंड सम्मेलन के महामंत्री **श्री सुरेश सोन्थलिया** ने अपने-अपने प्रादेशिक सम्मेलनों की वर्तमान गतिविधियों पर संक्षिप्त रपट प्रस्तुत की।

अन्त में, राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री **श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका** ने धन्यवाद-ज्ञापन किया और बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में संयुक्त महामंत्री श्री दामोदर प्रसाद बिदावतका, सर्वश्री शिव कुमार लोहिया, श्री गौरीशंकर अग्रवाल, श्री विश्वनाथ भुवालका, श्री गोविन्द प्रसाद केजरीवाल, श्री प्रेमचंद सुरेलिया, श्री राम कैलाश गोयनका आदि उपस्थित थे।

## राजस्थानी कहानी

गांव रा एक मालदार सेठ ने एक'र गांवतरे जावणों पडयो। कोई नौकर चाकर नीं हो जणां एकला ही दूरग्या। पाखती गांव घणों अळगो कोनी हो, जको सोच्या क बेळ्यां सारू सिंज्या पाछा गांव आय जावांला। पण काम तो काम री जुगत सूं ही हुवै। काम निवड़्यां बेळ्यां थका व्ही'र हुयग्या। सेठ गांवतरां सूं पाछा आपरे गांव जावै हा, दोपारां ढलगी। सेठां ने सोच ओ ही हो'क सिंज्या पडयां कोई दाड़ायती मिलग्यौ तो कांई करा लां। सेठ मन में बिचारी क आज तो कोई साथै ही कोनी अर जै कोई कुमाणस मिलग्यो तो मुसकल हुय जावैला। सेठ रस्ता में राम-राम करतो देवी-देवतां ने याद करण लाग्यौ। यूं करता-करता सेठां रौ आधो सूं बेसी रस्तो तो पार हुयग्यौ। सेठ गांव रै नेड़े पूग्यौ ही हो'क पाखती रस्ता सूं दो जणां आवंता दिख्या। सेठ रौ जीव तो अताळ -पताळ हुवण लाग्यौ। करें तो करै कांई। सेठ मन में बिचारी'क कन्ने कोडो ही कोनी लूटे ला कांई? पण लूट हुवण री भूण्ड रौ ठीकरो माथा माथै फूटयां बदनामी हुय जावै अर एक'र कोई धाड़ायती सूं लूटिज्यां पछै लोगां री निजरां मांय आय जावां माल भलां ही मालमतो कीं नीं जावै। सेठ गांव रै नेड़ो पूग्यौ ही हो'क दोनं री निजरां आंमी-सांमी हुई। सेठां देख्यो क अे तो दोनूं हीगांव रा ही दो जणां है। सेठ मन में बिचारी क है तो दोन्यूं ही दाड़ायती पण गांव रै नेड़ां हां जको अब कीं रगड़ो कोनी दोनूं जणां ने सम्हाल लेवां ला। दोनूं धाड़ायती मन में बिचारी गांव सूं पेलां ही मालदार सेठ मिलण सूं सुगन तो चौखा ही हुया है पण तरकीब सूं इणां रौ माल खोसणों चाहिजै। आ सोच अर दोनूं आपस मांय सानी करी अर राम-रामी करता सेठ रै नेड़े पूग्या। उणां में सूं एक जणों पूछयौ क सेठां म्हां दोनूं जणां में सूं कदुण भलो अर कुण खराब हुय सकै। धाड़ायती सोच्या क दोनूं में सूं एक जणा ने भलो बतावैला जद दूजो सेठ रौ मालमतो रिपिया पइसा लूट लेवेला, पण सेठ एक'र मांय ही दोनूं धाड़ायतयां री चाल समझग्या। अर दोनां ने टाळवां चौखा अर भला कैवण लागगो। सेठ एक जणां सूं बोल्यो क थें चौखा अर पछे दूजा ने कहवण लाग्यौ क थें भला मिनख हो। दोनूं धाड़ायती सेठ री बात कोनी मानी अर बार-बार पूछण लाग्या क सेठां बताओ कुण भलौ अर कुण बुरो। सेठ एक पावंडो आगे मेलतो अर एक जणां ने चोखो अर दूजा ने भलो बतावंतो रहयौ। सेठ आ बात कहवंती बेळ्यां दोनूं जणां ने एक रै पछै एक आगेनी धक्को देवंतो जावै हौ। सेठ दोन्यूं जणां ने टरकावंतो गांव रै नेड़े ले आयौ। गांव में पूगतां ही सेठ ही हिमत बधगी अर बो जोर सूं बोलतो-बोलतो आप री दुकान रै कन्ने पूगग्यौ। गांव रा बजार में सेठ आपरी दुकान रे नेड़ो पूगतां ही दौड़ परो दुकान री चांतरी माथै चढ़ ग्यौ। अर दोनूं धाड़ायत्यां कांनी खारी निजर सूं देख'र जोर सूं बोल्यो क आछो, भलो अर चोखो कहवण सूं थाने संतोष नीं हुयौ, जणां लेवो म्हें अबे थां ने साची बात कहवूं'क थां दोनूं ही नाजोगा हो। अब जाओ अर आप रै घर रौ रस्तो पकड़ ल्यो थां म्हारे कन्ने सूं कीं भी नीं लेय सकौ। थां दोनूं जणां ही म्हारो लारो छोड़ो, नीं तो अबार राज रा सिपाहियां ने बुलावूं अर थां दोनां री असली बात बताय दूं, दोन्यूं धाड़ायत्या कीं हाथ में तीं आवंतो देख अर, चुपचाप आप रै घरां कांनी दुरग्या।

Over ₹1,50,000 crores
worth of disbursements made.

Over ₹40,000 crores
worth of assets under management.

Over 72,000
entrepreneurs empowered.

Only 1 name
partnering with India's dream
towards a better future.

Kanoria Foundation
WORK WITH DEVOTION

SREI
Together We Make Tomorrow Happen
www.srei.com

**Srei Infrastructure Finance Limited**
**Srei Equipment Finance Limited**

INFRASTRUCTURE PROJECT FINANCE, ADVISORY AND DEVELOPMENT | INFRASTRUCTURE EQUIPMENT FINANCE
ALTERNATIVE INVESTMENT FUND | CAPITAL MARKET | INSURANCE BROKING

CENTURYPLY®

CENTURYPLY® CENTURYLAMINATES® CENTURYVENEERS®
CENTURYPRELAM® CENTURYMDF® CENTURYDOORS™

zykron FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS
STARKE NEW AGE PANELS
SAINIK PLYWOOD HAMESHA TAIYYAR

For any queries, **SMS 'PLY'** to **54646** or call us on **1800-2000-440** or give a missed call on **080-1000-5555**
E-mail: **kolkata@centuryply.com** | CenturyPlyOfficial | CenturyPlyIndia | YouTube Centuryply1986 | Visit us: **www.centuryply.com**

SR RUNGTA GROUP
Rungta Mines Limited
Chaibasa
RUNGTA STEEL™
SOLID STEEL
• Superior Technology
• Greater Strength
• Extreme Flexibility
500D
TMT REBARS
STEEL DIVISION
RUNGTA CHAMBERS
S.M.H.M.V. COMPLEX, CHAIBASA -833201
WEST SINGHBHUM, JHARKHAND, INDIA
Contact :
+91-6582-255261/ 361
+91-7008-012240
tmtmkt@rungtamines.com
csp@rungtamines.com
Approved by IS 1786:2008
Lic.No.-CM/L 5800021706
Approved by IS 2830:2012
Lic.No.-CM/L 5800007712

ISO 9001 Certified
ORR TECHNOLOGY
SKIPPER
PIPES
"FIXED FOR LIFE"
COMPLETE RANGE OF PIPES & FITTINGS
CPVC | UPVC | SWR | UGD | HDPE | BOREWELL | AGRICULTURE
www.skipperlimited.com | Toll Free : 1800 120 6842

# लक्ष्य, लगन, परिश्रम एवं हिम्मत से सफलता मिलता है

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने युवाओं में उद्यमशीलता पर एक संगोष्ठी का आयोजन सम्मेलन सभागार में आयोजित किया। सभा में सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत करते हुऐ कहा कि समाज के युवाओ में पहले की अपेक्षा नौकरी का रुझान अधिक हो गया है। मारवाड़ी समाज पर परम्परागत रूप से व्यापार के लिऐ जाना जाता है। मारवाड़ी सम्मेलन का लक्ष्य है, राष्ट्र की प्रगति। इसके लिऐ युवाओं का उद्यमशीलता की ओर अधिक ध्यान देने की जरूरत है।

सम्मेलन के सेमिनार उपसमिति के चेयरमैन श्री शिव कुमार लोहिया ने विषय प्रवर्तन करते हुऐ कहा कि मारवाड़ी समाज ने उस समय व्यापार-उद्योग का जाल देश में फैलाया था, जब साधनों का अभाव था। उस परिस्थिति मे भी पूरे देश मे आढ़त, दुकानों के द्वारा माल आपूर्ति, हुण्डी पूर्जा के माध्यम से आर्थिक बैंकिग एवं सप्लाई चेन का विस्तार एवं जगह-जगह मारवाड़ी बासा एवं धर्मशाला के द्वारा अपनी उपस्थिति कायम की। साथ ही साथ एक-दूसरे की सहयोगिता के मनोभाव रखते हुए अपनी ईमानदारी, जोखिम उठाने की क्षमता, लगन एवं मेहनत से राजस्थान से निकलकर अपनी सफलता हासिल की। आज के युवा पीढ़ी में भी इसी जज्बे को जागृत करने की आवश्यकता है। मारवाड़ी सम्मेलन - उद्यमशीलता के लिऐ समाज के युवाओं को हर प्रकार के सहयोग देने के लिए प्रस्तुत है।

मुख्य वक्ता श्री बनवारीलाल मित्तल ने विषय पर बोलते हुए कहा कि उद्यम में सफल होने के लिए युवाओं को मूलभूत बातों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। ये मूलभूत बातें हैं – सप्लाई डिमांड की स्थिती, कम खर्च में कार्य निपुणता, समय पर पैसे की उगाही। कोई भी व्यापार में सफल होने के लिऐ समय लगता है, एवं उसके लिऐ हमे तैयार रहना होगा।

प्रधान वक्ता श्री दीपक जालान ने अपने अनुभव बताते हुए कहा कि व्यापार में सफल होने के लिऐ लगातार मेहनत एवं हिम्मत नहीं हारने वाली मनोवृत्ति होनी अत्यावश्यक है।

उन्होंने कहा कि व्यापार में सफलता पाने के लिऐ हमें सर्वप्रथम लक्ष्य निर्धारित करना होगा। मुश्किल से मुश्किल परिस्थितियों में अपना मनोबल कायम रखते हुऐ चुनौतियों को स्वीकार करना होगा। व्यापार में अपने उत्पाद के ब्रांड को महत्व देने से ही सफलता मिलती है।

सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री श्रीगोपाल झुनझुनवाला ने धन्यवाद-ज्ञापन किया। श्री दिनेश जैन ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में काफी संख्या में समाजबंधुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के अन्त में वक्ताओं ने श्रोताओं के प्रश्नों का उत्तर दिया।

## नगांव : मारवाड़ी सम्मेलन का स्थापना दिवस संपन्न समारोह

# समाज को संगठित करना सम्मेलन का मुख्य ध्येय : मधुसूदन सीकरिया

● **समाजसेवा के लिए बजरंगलाल अग्रवाल का सम्मान**

अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के ८४वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा ने वहाँ जैन श्वेताम्बर तेरापंथ भवन में स्थापना दिवस समारोह आयोजित किया। सभा की अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष पवन कुमार गाढ़ोदिया तथा मंच संचालन शाखा मंत्री अजित माहेश्वरी ने किया। मुख्य अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया व अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर समारोह का उद्घाटन किया।

शाखा अध्यक्ष पवन कुमार गाड़ोदिया के स्वागत भाषण के पूर्व नगांव मारवाड़ी महिला मंच की सदस्यों ने भारती नाहटा के नेतृत्व में स्वागत गीत प्रस्तुत किया। सुनील सुराना ने सुमधुर ज्योति संगीत गान प्रस्तुत किया। नारी चेतना सम्मान संतोष देवी सुराना को प्रदान किया गया।

समाजसेवा के लिए वरिष्ठ अभिवक्ता एवं सम्मेलन की नगांव शाखा के पूर्व अध्यक्ष श्री बजरंगलाल अग्रवाल का सम्मान किया गया। इस सम्मान में भी फुलाम गामोछा, शाल व प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। सम्मान से पूर्व श्री अग्रवाल के जीवन परिचय को शाखा सह-सचिव ओम प्रकाश जाजोदिया (मारवाड़ी पट्टी) ने प्रस्तुत किया। इस वर्ष असम माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित १२वीं संकाय की परीक्षा में राज्यभर में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले रौनक लोहिया, चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाली राधिका अग्रवाल, आठवाँ स्थान प्राप्त करने वाली पिंकी सेठिया के अतिरिक्त मणिपाल यूनिर्वासिटी, जयपुर से इस वर्ष बीए इन जर्नालिज्म मास कम्युनिकेशन की डिग्री प्राप्त करने वाली पूजा माहेश्वरी का भी प्रशस्ति-पत्र देकर अभिनंदन किया गया। नगांव आनंदराम डोकियाल फुकन महाविद्यालय में वाणिज्य शाखा की हेड ऑफ डिपार्टमेंट बनने पर रश्मि शर्मा का भी अभिनंदन किया गया। श्रीमती शर्मा की अनुपस्थिति में उनके पिता अशोक शर्मा ने अभिवादन स्वीकार किया। उक्त सम्मान समारोह का संचालन सम्मेलन की नगांव शाखा के उपाध्यक्ष अनिल शर्मा ने किया।

समारोह के मुख्य अतिथि सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष मधुसूदन सीकरिया ने कहा कि समाज को संगठित करना सम्मेलन का मुख्य ध्येय हैं। अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय नागरिक पंजी पर विशेष तौर पर उल्लेख करते हुए आह्वान किया कि जिन लोगों के नाम राष्ट्रीय नागरिक पंजी में नहीं आए हैं वे सब कामों को छोड़कर पहले एनआरसी में नाम डालवाने की प्रक्रिया में जुट जाएँ। उन्होंने शाखा के सदस्यों से भी आह्वान किया कि लोगों की असुविधाओं को दूर करने में उनके मददगार बनें। समारोह के मुख्य वक्ता सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. श्याम सुंदर हरलालका ने सामाजिक चेतना, बढ़ते तलाक व विखरते परिवार विषय पर बोलते हुए विस्तार से वक्तव्य रखा। समारोह के विशिष्ट अतिथि सम्मेलन के प्रांतीय महामंत्री राजकुमार तिवाड़ी ने भी सभा को संवोधित किया। इस वर्ष नेत्रदान करने वाले कुल सात नेत्रदानी परिवारों की भी फुलाम गामोछा व प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन शाखा के सह-सचिव ओमप्रकाश जाजोदिया ने किया। स्थापना दिवस समारोह का समापन राष्ट्रीय गीत से हुआ।

● **संतोष देवी सुराणा को दिया गया नारी चेतना सम्मान**

# मारवाड़ी सम्मेलन की गुवाहाटी शाखाओं के चुनाव संपन्न

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की दो अति विशिष्ट शाखाओं (गुवाहाटी तथा गुवाहाटी महिला शाखा) के अध्यक्ष पद के चुनाव संपन्न हो गए। इस बार दोनों शाखाओं के चुनाव अध्यक्षीय प्रणाली से कराए गए, जिसमें दोनों शाखाओं से दो-दो प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र लिए थे परंतु दोनों ही शाखा से केवल एक-एक प्रत्याशी ने ही अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस आधार पर सत्र २०१९-२१ के लिए गुवाहाटी शाखा के अध्यक्ष पद का दायित्व **सांवरमल अग्रवाल** एवं गुवाहाटी महिला शाखा की अध्यक्ष पद का दायित्व **कंचन केजरीवाल** को सौंपा गया है।

मारवाड़ी सम्मेलन, जोरहाट शाखा के ८४वाँ स्थापना दिवस समारोह की शुरूआत श्री मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी प्रांगण में पूर्व अध्यक्ष श्री मुरलीधर जी खेतान द्वारा ध्वजारोहण से किया गया। तत्पश्चात शताब्दी भवन में आयोजित वरिष्ठ समाजबंधु का अभिनंदन और निशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया। जोरहाट शाखाध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल की अध्यक्षता में आयोजित अभिनंदन तथा नेत्र जाँच शिविर की सभा में निवर्तमान अध्यक्ष श्री बाबूलाल गगड़, पूर्व अध्यक्ष श्री मुरलीधर खेतान, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के मंडल ख के प्रांतीय उपाध्यक्ष अनिल केजरीवाल, लॉयन्स नेत्र चिकित्सालय के चेयरमैन श्री नेमचंदजी करनानी मंचासीन थे। शाखा अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल द्वारा सबका स्वागत करते हुए सभा की उदेश्य व्याख्या की गई। उन्होंने कहा कि समाज में बुजुर्गो के योगदान को कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। आज हम उनकी विरासत को ही आगे ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ध्वज का अपना महत्व होता है परंतु नींव के पत्थर को भी भुलाया नहीं जा सकता है। प्रांतीय उपाध्यक्ष अनिल केजरीवाल ने सम्मेलन के स्थापना के संक्षिप्त इतिहास के बारे में बताने के बाद कहा कि सम्मेलन के १९३५ में गठन के बाद से ही पर्दा प्रथा, दहेज, मृत्यु-भोज, वृद्ध-विवाह आदि के लिए आंदोलन प्रारंभ हुआ तथा शिक्षा-प्रसार तथा विधवा-विवाह के

मारवाड़ी सम्मेलन के 'स्थापना दिवस' के उपलक्ष्य पर 'मारवाड़ी सम्मेलन कामरूप शाखा' द्वारा स्थानीय हरियाणा भवन में मंगलवार दिनांक २५ दिसम्बर, २०१८ को 'निःशुल्क न्युरोथेरेपी चिकित्सा शिविर' का आयोजन किया गया।

लिए जागरूकता अभियान भी चलाया गए। उन्होंने समाज की संस्थाओं से झूठे दिखावे, फिजूलखर्ची, आडंबर आदि पर रोक लगा कर स्वस्थ और जागरूक समाज के गठन का मार्ग प्रशस्त करने का आह्वान किया तथा इस दिशा में विवाह भवन को आबंटित करने वाली संस्थाओं से नियमावली में संशोधन करने का आह्वान किया। श्री बाबूलाल गगड़ और श्री मुरलीधर जी खेतान ने सम्मेलन के इस कार्य की प्रशंसा करते हुए बधाई दी। तत्पश्चात समाज के ८० वर्ष तथा इस से अधिक आयु के २८ वरिष्ठ सदस्यों का शॉल और साफा पहना कर अभिनंदन किया गया। श्री नेमचंद जी करनानी द्वारा लॉयन्स आई हॉस्पिटल द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी देने के साथ ही समाज को आगे आकर नेत्रदान करने का आह्वान किया। श्री ओंकारमल जी सोमानी, श्री नथमलजी कलानी, श्री मोहनलाल जी चोरड़िया और श्री जुगलजी सिंघी ने भी सभा को संबोधित करते हुए सम्मेलन द्वारा किए गए इस कार्य की प्रसंशा की तथा कहा कि बुजुर्गों का सही मायने में सम्मान होता तो हमे वृद्ध आश्रम की आवश्यकता ही नहीं होती। सभा का संचालन मंत्री गोपाल अग्रवाल तथा धन्यवाद प्रस्ताव नागर रतावा द्वारा किया गया। सभी बुजुर्गो के एकसाथ एक ही स्थान पर समागम पर उनके चेहरे की खुशी और चमक देखकर सभी का मन प्रफुल्लित हो गया तथा आशा है नई पीढ़ी में नव ऊर्जा का संचालन हुआ। तत्पश्चात जोरहाट नेत्र चिकित्सालय के सहयोग से आयोजित निशुल्क जांच शिविर में करीब ८० समाजबंधु ने लाभ उठाया।

---

मारवाड़ी सम्मेलन खारुपेटिया शाखा द्वारा राष्ट्रीय स्थापना दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त समारोह में समाज के वरिष्ठ नागरिकों का अभिनन्दन किया गया एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटलबिहारी बाजपेयी को जन्म जयन्ती के अवसर पर श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया साथ ही असहाय व्यक्तियों के बीच कम्बल वितरण किया गया।

---

मारवाड़ी सम्मेलन बरपेटा रोड एवं मारवाड़ी सम्मेलन महिला शाखा संयुक्त रुप से आज ८४ वे 'स्थापना दिवस' के अवसर पर बच्चो के सामान्य ज्ञान प्रश्नवली प्रतियोगिता का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम को शाखा के अध्यक्ष, मंत्री, पदाधिकारी, कार्यकारिणी एवं समस्त के उपस्थिति में सफलतापूर्वक मनाया गया।

# दिल्ली सम्मेलन की द्वारिका शाखा की स्थापना

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की द्वारका शाखा (दिल्ली) का गठन गत २३ दिसम्बर २०१८ को किया गया। श्री सुभाष जैन जी को शाखाध्यक्ष बनाया गया। समाज बन्धुओं का उत्साहवर्धक सहयोग रहा। यह दिल्ली प्रान्त की आठवीं शाखा है। बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका, प्रान्तीय अध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा, महामन्त्री श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, उपाध्यक्ष श्री बसन्त पौदार, कोषाध्यक्ष श्री सुन्दर लाल शर्मा एवं समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। श्री सुभाष जी ने अपने वक्तव्य मे कहा कि सभी बन्धुओं के सहयोग से शाखा समाजहित एवं राष्ट्रहित के अनेकानेक कार्यक्रम करेगी एवं राष्ट्र की श्रेष्ठ शाखा के रूप मे अपनी पहचान बनायेगी।

## पूर्वी दिल्ली शाखा के नये अध्यक्ष श्री राधेश्याम बंसल

दिनांक ८ जनवरी २०१९ को मारवाड़ी सम्मेलन की पूर्वी दिल्ली शाखा की साधारण सभा आयोजित की गयी। अन्य विषय के अतिरिक्त शाखाध्यक्ष का चुनाव भी सम्पन्न हुआ। श्री राधेश्याम बंसल निर्विरोध शाखाध्यक्ष चुने गये। सभा मे निवर्तमान शाखाध्यक्ष श्री राज कुमार अग्रवाल (भूत) पूर्व शाखा महामंत्री श्री प्रताप अग्रवाल, पूर्व कोषाध्यक्ष श्री प्रकाश हिरावत के अतिरिक्त समाज के गणमान्य बन्धु भी उपस्थित थे। श्री बंसल जी ने अध्यक्षीय वक्तव्य मे सभी का हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करते हुए पूर्वी दिल्ली शाखा मे सभी के सहयोग से नये आयाम स्थापित करने का अश्वासन दिया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका, प्रान्तीय अध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा, प्रान्तीय महामंत्री श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया की गरिमामयी उपस्थिति रही।



# पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन बांकुड़ा शाखा का दीपावली मिलनोत्सव

यूं तो हर त्योहार कि अपनी ही गरिमा होती है परन्तु त्योहार अगर समाज के सभी सदस्य मिलकर मनाएँ तो उसकी गरिमा में चार चाँद लग जाते हैं। इस बात का जीता जागता उदाहरण प्रस्तुत किया पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के बांकुड़ा शाखा ने। २५ नवंबर २०१८ को बांकुड़ा शाखा के सदस्यों ने बांकुड़ा धर्मशाला में भव्य दीपावली मिलन उत्सव का आयोजन किया। बांकुड़ा मारवाड़ी समाज के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना के साथ की गई, बच्चों ने नृत्य के माध्यम से गणेश वंदना प्रस्तुत की।

इस समारोह में समाज के एक हजार परिवार के सदस्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। समारोह का मुख्य आकर्षण था डांडिया नृत्य। समाज के सभी उम्र के स्त्री/पुरुष डांडिया की धुनों पर जमकर थिरके। डांडिया के अलावा मंच पर समाज के कुछ बच्चों द्वारा प्रस्तुत की गई आवृति, कविता तथा चुटकुलों ने उपस्थित सभी का मन मोह लिया। समारोह में बांकुड़ा की माननीया विधायका श्रीमती पंपा दरिपा, आद्रा के माननीय विधायक जनाब अरुप खां, प्रशासन की ओर से बांकुड़ा के जिलाशासक डा. उमा शंकर एस, बाकुड़ा के पुलिस अधीक्षक श्री कोटेश्वर राव, नगरपालिका के चेयरमैन श्री महाप्रसाद सेनगुप्त, उपसभापति श्री दिलीप अग्रवाल सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। समारोह का संचालन करते हुए श्री नरेन्द्र शर्मा तथा उमेश खंडेलवाल ने दर्शकों को एक सूत्र में बांधकर रखा।

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री नंद किशोर अग्रवाल ने दीपावली मिलनोत्सव कार्यक्रम के इस मौके पर उपस्थित सभी को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि बांकुड़ा शाखा की ओर से पहली बार दीपावली मिलन समारोह का आयोजन इतने भव्य रूप में किया गया। आप सभी के सहयोग से ही बांकुड़ा शाखा अपनी गतिविधियों में आगे बढ़ सकेगा। उपस्थिति देखकर ऐसा महसूस हो रहा है कि बांकुड़ा में अपने समाज के लोगों में संगठन की कोई कमी नहीं है। हम चाहते हैं आप बांकुड़ा शाखा के सदस्य बनकर बांकुड़ा शाखा को और भी मजबूत बनायें। पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के उपाध्यक्ष श्री विश्वनाथ खरकिया, संगठन सचिव श्री गोपी धुवालिया, सह सचिव श्री कमल कुमार सरावगी व श्री वेदप्रकाश जोशी ने भी अपने विचार प्रकट किए। विशिष्ट समाजसेवी एवं लायंस इन्टरनेशनल के भूतपूर्व निर्देशक श्री विष्णु बाजोरिया, बांकुड़ा शाखा के अध्यक्ष श्री भगवती प्रसाद बाजोरिया ने भी अपने विचार प्रकट किए, सचिव श्री नरेन्द्र शर्मा के अलावा समाज के अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

# मारवाड़ी समाज आगे बढ़ा, लेकिन अभी और बढ़ने की जरूरत

**– नंदकिशोर अग्रवाल**
अध्यक्ष, पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन

देश के तमाम राज्यों में राजस्थान का एक अलग महत्व है, इस सूबे की एक अलग पहचान है और हो भी यूं ना। रोजी-रोटी की तलाश में राजस्थान से निकल कर भारत के विभिन्न प्रांतों में बसने के बावजूद राजस्थानी या यूं कहे कि मारवाड़ी ने अपने मातृ-भूमि को सदैव याद रखा तो शायद कुछ गलत नहीं होगा। मारवाड़ियों की यही प्रवृत्ति उसे अन्य समाज व समुदाय से अलग पहचान दिलाती है। बीते दो-तीन दशकों में मारवाड़ी समाज ने काफी तरक्की की है, दूसरे शब्दों में कहें तो समाज आगे बढ़ा है, लेकिन मेरी नजर में समाज को अभी और आगे बढ़ने की जरूरत है। समाज के लोगों में जागरूकता बढ़ी है, इस वजह से बहुत हद तक कुरीतियों पर अंकुश लगाया जा सका है, लेकिन इसके विपरीत बढ़ते तलाक के मामले पर विचार-विमर्श करने की जरूरत है। तलाक ही नहीं कुछ और मामले में जिस पर समाज को सोचने-समझने की आवश्यकता और मंथन जरूरी है। ये मामले है बोलचाल में कम होती राजस्थानी भाषा, कम होती राजनैतिक हैसियत और पुश्तैनी कारोबार से किनारा करते युवा। जानकारों के मुताबिक कोई भी समाज तक तक अपनी मंजिल तक नहीं बढ़ सकता, जो अपनी भाषा के प्रति उदासीनता रवैया रखता हो, जिसकी राजनैतिक हैसियत नगण्य हो और युवा दादा-बाबा के कारोबार को राम-राम कहने लगे।

मारवाड़ियों की विशेषताओं का जिक्र करते हुए मैक्समूलर ने अपनी एक पुस्तक में लिखा है–स्नेह, सहयोग, आत्मीयता, समर्पण एवं त्याग का उदात्त भाव जो राजस्थान में दिखाई पड़ता है वह विश्व में कहीं भी अन्यत्र दुर्लभ है। भारतीय संस्कृति के साकार स्वरूप का दर्शन इन परिवारों में किया जा सकता है। जहां कि प्रत्येक सदस्य पदार्थ एवं बुद्धि निष्ठा के ऊपर उठकर अपने श्रेष्ठ त्याग द्वारा भाव निष्ठा का परिचय देता है। अभावग्रस्त स्थिति में रहते हुए भी पति-पत्नी के बीच निश्छल प्रेम उनहें ऐसे अटूट बंधन में बांधे रहता है जो अन्य किसी भी भौतिक बंधन द्वारा सम्भव नहीं। भौतिक आकर्षणों द्वारा बंधे पश्चिमी परिवारों को भारतीय परिवारों में बहती हुई पावन सरिता में डुबकी लगाना तथा परिवार निर्माण के लिए प्रेरणा प्राप्त करनी चाहिए।

कभी भारतीय परिवार अपनी गौरव-गरिमा, महानता, त्याग एवं बलिदान के लिए विश्वभर में विख्यात थे, वे वर्तमान में किस तरह बिखरते जा रहे हैं, यह मात्र परिस्थितियों का पर्यवेक्षम करने पर पता चलता है। तलाक दूसरे देशों में भी होते हैं। बल्कि भारत की तुलना में कहीं अधिक होते हैं। किन्तु उनके लिए यह सामान्य बात हो सकती है। अपने देश की स्थिति यूरोप के देशों से सर्वथा भिन्न रही है, जिस सांस्कृतिक प्ररिवेश में हम पले हैं–उसके गौरव के यह प्रवृत्ति सर्वथा प्रतिकूल है। किन्तु आंकड़े बताते हैं कि पिछले दशक में अपने देश में किस तेजी से यह दुष्प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। १९६१ में १०० व्यक्तियों पीछे एक तलाक की घटना थी। वर्ष १९७१ यानी एक दशक बाद प्रति ५० व्यक्तियों पीछे एक तलाक की घटना प्रकाश में आई। कुल ८७ विवाह विच्छेद हुए। लगभग एक दशक बाद यानी १९८० में विवाह विच्छेद की घटनाओं में तीन गुनी वृद्धि हो गयी।

पश्चात्य देशों में तलाक भले ही आम बात बन गयी हो लेकिन बच्चों पर इसकी बहुत बुरी प्रतिक्रिया होती है। विशेषज्ञों का कहना है कि तलाक की सूचना चाहे जितनी सावधानी से दी जाय, उससे हर बच्चे को असहनीय आघात लगता है। ऐसे बच्चे हटी हो जाते हैं, बात-बात पर क्रोध करने लग जाते हैं। ये बच्चे अपने तज दिये जाने और प्रेम से वंचित होने के भय से भी पीड़ित रहते हैं। कई बार बच्चों के मन में यह बात गहराई से जम जाती है कि मां बाप दोनों में से एक व्यक्ति ही तलाक के लिये जिम्मेदार है। जिसके प्रति उनका अविश्वास हो जाता है उसके प्रति मन ही मन घृणा की भावना पनपने लगती है।

सौतेले परिवार में प्रवेश करने वाले बच्चों को दो बार भावनात्मक अघात सहन पड़ता है। पहली बार तब, जब अपने अभिभावक को तलाक लेने से रोक नहीं पाते और दूसरी बार तब, जब वे दूसरी शादी रोकने में असफल रहते हैं।

प्रसिद्धि विचारक आर्यर नीर्टन ने तलाक की समस्या पर गहराई से चिन्तन करने के उपरान्त कहा कि प्रहातलाक के कारण परिवार में अस्थिरता आ जाने से सामाजिक परम्पराएं भी दोषपूर्ण हो जायेगी, यह समय ही बतायेगा। क्योंकि पारिवारिक परम्पराओं के माध्यम से ही सामाजिक मान्यताएं बनती है।

पथ पर अंतिम लक्ष्य नही है – सिंघासन चढ़ते ही जाना।
सब समाज को लिये साथ – आगे बढ़ते ही जाना।

आज आवश्यतका है मारवाड़ी समाज के विभिन्न घटक जैसे कि जैन, महेश्वरी, ब्राह्मण, अग्रवाल आदि आदि को संगठित कर सम्मेलन की माला में पिड़ोकर एक सुसंगठित समाज का चेहरा सम्मेलन के माध्यम से उजागर करना है। संगठित समाज ही एक शक्तिशाली एवं सुसंस्कृत समाज की पहचान है।

# विश्व धर्म सम्मेलन में दिया गया संदेश

शिकागो, ११ सितंबर १८९३

अमेरिका के बहनों और भाइयो...

आपके इस स्नेहपूर्ण और जोरदार स्वागत से मेरा हृदय बेहत प्रसन्नता से भर गया है, मैं आपको दुनिया की सबसे प्राचीन संत परंपरा की तरफ से धन्यवाद देता हूँ, मैं आपको सभी धर्मों की जननी की तरफ से धन्यवाद कहूँगा और सभी जाति, संप्रदाय के लाखों, करोड़ों हिन्दुओं की तरफ से आपका कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ।

मेरा धन्यवाद उन कुछ वक्ताओं के लिये भी है जिन्होंने इस मंच से यह कहा कि दुनिया में सहनशीलता का विचार सुदूरपूरब के देशों से फैला है। मुझे गर्व है कि मैं एक ऐसे धर्म से हूँ, जिसने दुनिया को सहनशीलता और सार्वभौमिक ग्रहण करने का पाठ पढ़ाया है।

हम सिर्फ सार्वभौमिक सहनशीलता में ही विश्वास नहीं रखते, बल्कि हम विश्व के सभी धर्मों को सत्य के रूप में ही स्वीकार करते हैं, मुझे बेहद गर्व है कि मैं एक ऐसे देश से हूँ, जिसने इस धरती के सभी देशों और धर्मों के अस्वस्थ और अत्याचारित लोगों को शरण दी है।

मुझे यह बताते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि हमने अपने हृदय में उन इजराइलियों की पवित्र स्मृति याँ संभालकर रखी हैं, जिनके धर्म स्थलों को रोमन हमलावरों ने तोड़-तोड़कर नष्ट कर दिया था और तब उन्होंने दक्षिण भारत में शरण ली थी।

मुझे इस बात का गर्व है कि मैं एक ऐसे धर्म से हूँ, जिसने महान पारसी धर्म के लोगों को शरण दी और सभी भी उन्हें प्यार से पाल-पोस रहा है। भाइयों, मैं आपको एक श्लोक की कुछ पंक्तियाँ सुनाना चाहूँगा जिसे मैंने अपने बचपन से स्मरण किया और दोहराया है और जो रोज करोड़ों लोगों द्वारा हर दिन दोहराया जाता है।

जिस तरह बिलकुल भिन्न स्त्रोतों से निकली विभिन्न नदियाँ अंत में समुद्र में जाकर मिलती हैं, उसी तरह मनुष्य अपनी इच्छा के अनुरूप अलग-अलग मार्ग चुनता है, वे देखने में भले ही सीधे या टेढ़े-मेढ़े लगें, पर सभी भगवान तक ही जाते हैं।

वर्तमान सम्मेलन जो कि आज तक की सबसे पवित्र समारोहों में से है, गीता में बताए गए इस सिद्धांत का प्रमाण है - जो भी मुझे तक आता है, चाहे फिर वह कैसा भी हो, मैं उस तक पहुंचता हूँ। लोग चाहे कोई भी रास्ता चुनें, आखिर में मुझ तक ही पहुँचते हैं।

सांप्रदायिकताएँ, धर्मांधता और इसके भयानक वंशज हठधर्मिता लंबे समय से पृथ्वी को अपने शिकंजों में जकड़े हुए हैं। इन्होंने पृथ्वी को हिंसा से भर दिया है, कितनी बार ही यह भूमि खून से लाल हुई है। कितनी ही सभ्यताओं का विनाश हुआ है और न जाने कितने देश नष्ट हुए हैं, अगर ये भयानक दैत्य नहीं होते तो आज मानव समाज कहीं ज्यादा उन्नत होता, लेकिन अब उनका समय पूरा हो चुका है।

मुझे पूरी आशा है कि आज इस सम्मेलन का शंखनाद सभी हठधर्मिताओं, हर तरह के क्लेश, चाहे वे तलवार से हों या कलम से और सभी मनुष्यों के बीच की दुर्भावनाओं का विनाश करेंगे।

स्वामी विवेकानन्द का अंतिम सेशन में दिया गया संदेश

उन सभी महान आत्माओ का मै शुक्रियादा करता हु जिनका बड़ा हृदय हो और जिनमे प्यार की सच्चाई हो और जिन्होंने प्रमुख की सच्चाई का अनुभव कीया हो। उदार एवं भावुकता को दिखाने वालो का भी मैं शुक्रियादा करना चाहता हूं, मैं उन सभी श्रोताओ का भी शुक्रियादा करना चाहता हूँ जिन्होंने शांति पूर्वक हमारे धार्मिक विचारो को सुना और अपनी सहमति दर्शायी।

इस सम्मेलन की सभी मधुर बाते मुझे समय-समय पर याद आती रहेंगी, उन सभी का मैं विशेष शुक्रियादा करना चाहता हु जिन्होंने अपनी उपस्थिति से मेरे विचारो को और भी महान बनाया।

बहोत सी बाते यहाँ धार्मिक एकता को लेकर ही कही गयी थी, लेकिन मैं यहाँ स्वयं के भाषम को साहसिक बताने के लिये नही आया हु, लेकिन यहाँ यदि किसी को यह आशा है की यह एकता किसी के लिये या किसी एक धर्म के लिये सफलता बनकर आएँगी और दूसरे के लिए विनाश बनकर आएँगी, तो मैं उन्हेसे कहना चाहता हू की, "भाइयो, आपकी आशा बिल्कुल असंभव हैं।"

क्या मैं धार्निक एकता में किसी क्रिस्चियन को हिन्दू बनने के लिए कह रहा हू?

भगवान ऐसा करने से हमेशा मुझे रोकेंगे।

क्या मैं किसी हिन्दू या बुद्ध को क्रिस्चियन बनने के लिये कह रहा हु? निश्चित ही भगवान ऐसा नही होने देंगे, बीज हमेशा जमीन के निचे ही बोये जाते है और धरती और हवा और पानी उसी के आसपास होते है। तो क्या वह बीज धरती, हवा और पानी बन जाता है? नही ना, बल्कि वह एक पौधा बन जाता है, वह अपने ही नियमो के तहत बढ़ता जाता है। साधारण तौर पर धरती, हवा और पानी भी उस बीज में मिल जाते है और एक पौधे के रूप में जीवित हो जाते है।

और ऐसा ही धर्म के विषय में भी होता है, क्रिस्चियन कभी भी हिन्दू नही बनेगा और एक बुद्धिस्ट और हिन्दू कभी क्रिस्चियन नही बनेंगे, लेकिन धार्मिक एकता के समय हमें विकास के नियम पर चलते समय एक दुसरे को समझकर चलते हुए विकास करने की जरुरत है।

यदि विश्व धर्म सम्मेलन दुनिया को यदि कुछ दिखा सकता है तो वह यह होंगा - धर्मो की पवित्रता, शुद्धता और पुण्यता।

क्योंकि धर्मो से ही इंसान के चरित्र का निर्माण होता है, यदि धार्मिक एकता के समय भी कोई यह सोचता है कि उसी के धर्म का विस्तार हो और दुसरे धर्मो का विनाश हो तो ऐसा लोगो के लिये मुझे दिल से लज्जा महसुस होती है। मेरे अनुसार सभी धर्मो के धर्मग्रंथो पर एक ही वाक्य लिखा होना चाहियेः

**मदद करे और लडे नही**
**एक दूजे का साथ दे ना की अलग करे**
**शांति और करुणा से रहे ना की हिंसा करे।**

A journey that started fifty four years ago is today a legacy called HARTEX. Setting standards in the domestic market, HARTEX has established itself internationally for its superior quality and reliability. In fact, the many milestones HARTEX has achieved, including products, are customer focused.

So, come join the journey of success.

HARTEX

**Hartex Rubber Private Limited,** 8-2-472, Road No. 1, Banjara Hills,
GVC Square, 4th floor, Hyderabad 500034, India. Ph +91 40 32900866, 32930866

www.hartex.in

SUREKA

# Krishi Rasayan Group

29, Lala Lajpat Rai Sarani (Elgin Road),
Kolkata - 700020, West-Bengal, India
www.krishirasayan.com
E-mail: atul@krishirasayan.com
Telephone: +91-33-71081010/11

With more than 50 years of experience in the agro-chemical business and being one of the oldest and leading agrochemical companies of India, **Krishi Rasayan** is touching new heights with each passing day.

The continuous process of upgradation, development and inherent changes according to the market requirements have helped **Krishi Rasayan** become a leader in the domestic circuit. **Krishi Rasayan** is expanding word-wide with exports and overseas registrations focusing on South-East Asia, Africa, Middle-East, CIS and Latin America.

**Krishi Rasayan** has 8 multi-location manufacturing plants in different parts of India and has 5 overseas subsidiaries.

**It also boasts of having contract technical manufacturing units in India manufacturing Pretilachlor, Ethephon, Cypermethrin, Profenofos, Imidacloprid, Thiamethoxam, Metalaxyl, Metribuzin, Acetamiprid, Glyphosate, Tricyclazole, Butachlor, Emamectin benzoate, Difenconazole and Chlorpyriphos.**

Additional technical products to be added are under process. The company has technical tie-ups and contract manufacturing with various companies in China and also has an office in Shanghai, China.

The company has many products including formulations such as EC, SC, WDG, SP, GR, EW and CS

**Krishi Rasayan** specializes in many combination products & bio-products. GLP data are available for most of the products; both 5-batch and 6-pack study.

**Insecticides:**

**Deltamethrin 1% + Triazofos 35% EC, Profenofos 40% + Cypermethrin 4% EC, Ethion 40% + Cypermethrin 4% EC, Chlorpyriphos 50% + Cypermethrin 5% EC, Acephate 25% + Fenvalerate 3% EC, Buprofezin 15% + Acephate 35% WP, Profenofos 20% + Cypermethrin 2% EC, Deltamethrin 2.5% + Permethrin 2.5% EC, and many other forumlations available.**

**Fungicides:**

**Metalaxyl 8% + Mancozeb 64% WP, Carboxin 37.5% + Thiram 37.5% DS, Carbendazim 12% + Mancozeb 63% WP, Streptomycin sulphate + Tetracycline hydrochloride (90:10), Iprodione 25% + Carbendazim 25% WP, Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP, etc**

**Weedicides:**

**Metsulfuron methyl 10% + Chlorimuron ethyl 10% WP & other formulations available.**

**PGR's:**

**6BA, Amino Acids, Ethephon, Gibberallic Acid, Hydrogen Cynamide, Tricontanol**

**Bio-Products:**

**Bacillus thuringiensis var kurstaki 7.5% WP, Trichoderma harzianum 2% WP, Trichoderma viride 1% WP, Pseudomonas fluorescens 0.5% WP, Neem Oil, Azadirachtin, Beauveria bassiana 1.15% WP, Verticillium lecani 1.15% WP and other formulations available.**

# GOENKA PUBLIC SCHOOL

IIT Coaching

AC Hostel

## ADMISSION OPEN

Residential V to XII

CBSE English Medium

- 30 Acre Eco Friendly Lush Green Campus
- Excellent Faculty
- Smart Classes with Plasma TV
- Gold Medal Winners of Karate Championship held at SriLanka
- Horse Riding under Guidance of An Asian Gold Medalist
- Synthetic Basketball & Tennis Court
- World Class 8 Lane Swimming Pool

92% Scored by Ronak Bajaj 12th Com.

Sikar-Lachhmangarh Road, N.H.52, LACHHMANGARH
Dist.-Sikar(Rajasthan)

E-Mail :- gps@goenka.ac.in, Website:- www.goenka.ac.in

Contact :- 8233096503,8233096504,8233096505

# To your taste buds, with love...

Refreshingly, yours.

Indulgently, yours.

Addictively, yours.

Spicily, yours.

Healthily, yours.

Nourishingly, yours.

Delightfully, yours.

Obsessively, yours.

Temptingly, yours.

Passionately, yours.

Snackingly, yours.

Yours Tastefully™

Anmol

BISCUITS

www.anmolindustries.com | Follow us on:

## राजस्थानी लोक गीतों में
# स्वर माधुर्य और सौंदर्य बोध

**– मेघराज श्रीमाली**

*ठण्डी रातों में जब मधुर स्वरों में एक रागिनी गुंजती थी तो तब उसकी प्रतिध्वनि वातावरण में रस घोलने लगती। यह आवाज थी प्रसिद्ध राजस्थानी गायिका अल्ला झिलाई बाई की। गर्मियों में उसके अपने ही छत पर महफिल जमती थी और उसके स्वर उभरने लगते जो दूर-दूर तक सुनाई देते थे।*

राजस्थानी की सर्वाधिक मधुर राग मांड के इतने अंतरे उनको याद थे कि पूरी रात में भी एक ही गीत चलता रहता... केसरिया बालम आओ नी पधारो म्हारे देश...। 'आओनी' शब्द में कितना स्नेहपूर्ण आग्रह है... आमंत्रण है-निमंत्रण है सब कुछ प्रेम से पगा हुआ।

***साजन आया रे सखी कांई मनुवार करां?***
***थाल भरां गज मोतियां रो... और ऊपर नैन धरा...।***

कितनी अद्‌भुत कल्पना है? आगे देखिये... 'साजन साजन मैं करूं - साजन जीव जड़ी... सजन लिखाऊं, चूड ले, बांचू खड़ी खड़ी।' यह तो प्रेम अनूठा इजहार है। साजन आता देखकर तोइयो नवलाख हार, नग जाणे मोती चूंग पर झुकझुक करूं गुहार।। यह है प्रेम का चरम। एक अंतरा और देखिये - मारू धांरा देस में निपजे तीन रतन : एक ढोला दूजी मारवान, तीजो घसूंमल रंग। इस मरूस्थल में स्नेह का प्रारंभ भी स्नेह से और अंत भी स्नेह से। मरूभूमि में तीन रत्न पैदा हुए हैं – अमर प्रेम के प्रतीक ढोला-मारवन और कंजूमल रंग।

अल्लाह जिलाई बाई का मुकाबला नहीं था। पूरी रात कितने ही अंतरे उसकी मधुर राग में डूबते-उतरते चले जाते थे। सुनने वाला सब कुछ भूल जाता था। यहां तक कि अपनी स्थिति और अस्तित्व भी। ऐसा सर्वग्राही प्रभाव था उनके स्वरों का। इन पंक्तियों के लेखक को निजी रूप से उनके ही घर में उनकी आवाज में सुनने का सौभाग्य मिला था। आज भी जब याद करता हूं तो वे जैसे सशरीर उपस्थित होकर स्वर लहरियां बिखरने लगती हैं।

राजस्थानी गीत माधुर्य और सौंदर्य बोध का अनुठा संगम है। एक बानगी देखिये - छप्पर पुराना पड़ गया जी पिया... तिडन्दन लाग्या बोदा बांस। अब घर आजा गौरी रा साहिबा। इस गीत में राधिका के शारीरिक सौष्ठव में प्रतिपल हो रही क्षति का वेदनापूर्ण आभास मिलता है। नायिका आगे कहती है - 'कागद हो तो पिया बांच लू रे, करम न बांच्या जाय... करम न बांच्या जाय, अब घर आजा गौरी रा बालमा।।' विरह विदग्ध नायिका किसको दोष दे। अपने कर्मों को? पिया तो परदेश हैं। समुद्र पार देश में कैसे पहुंचे उनके पास? कहती है - 'कुआ व्है तो ढोला डाक लूं रे... समन्दर न डाक्या जाये'। विरहणी कुए को लांघने का दु;साहस कर सकती है परन्तु समुद्र के पार कैसे जाये? अत; गौरी के बालमा को ही घर आना पड़ेगा क्योंकि 'डोरी हुअे तो पिया तोडल्यूं जी, कोई प्रीत न तोड़ी जाय, होजी ढोला प्रीत न तोड़ी जाय, अब घर आजा गौरी रा बालमा।' कैसी अनोखी विवशता है प्रेम को कैसे तोड़े? डोरी को तोड़ा जा सकता है परन्तु स्नेह बंधन तो आमिट होता है उसे कैसे तोड़े? यह विवशताजन्य नहीं हार्दिक बाध्यता है। अतः आना तो पिया को ही पड़ेगा। कोई विकल्प नहीं है।

प्रेम की अनुभूति इतनी अनूठी है कि प्रेमी नायिका के मन-प्राण में रचा-बसा है। वह उसके हृदय का अतिथि है - दिल में बसा हैं। बानगी देखिये :

**आओ जी आवो म्हारे हिवड़े रा पावण।**
**तारां छाई रात थांने आयां सरसी।।**
**थें छो मिजाजी म्हारां घणा मनभावना।**
**मनड़े री प्यास बुझांयां सरसी...।।**

प्यास तो मन की है जो मन के मिलन से बुझ सकती है। अत; आना तो पड़ेगा ही। मिजाजी का तात्पर्य नखरे वाला हो सकता है परन्तु इस संदर्भ में उसे स्वाभिमानी मानना उपयुक्त है। आगे नायिका विरह से व्याकुल हो उठती है - 'थां बिन सूनी-सूनी रातडियां कियां गुजारूं मारा बालम जी?' प्रत्युतर का दायित्व साजन पर ही छोड़ दिया। रातें उनके बिना कैसे गुजारी जाए? प्रश्न अनुत्तरित है। प्रतीक्षा का अंत नहीं हो रहा है। श्रृंगार पीला पड़ता जा रहा है। क्या करूं? 'काजल रीकी म्हारां पड़ गया फीका, थां बिनम्हारा परदेशी...' आगे कहती है: 'अटक गई हूं म्हेतो बिच मंझधार में, थांने ही पार लगयां सरसी...', 'तारां छाई रात थांने आयां सरसी...।' फिर आरंभ होता है स्मृतियों के साथ उपालम्भ। 'सावण में आवण दी के गया, अब तांई क्यों नहीं आया जी...' चांदी रे तारां री चुनरी म्हारां तांई, क्यूं नहीं लाया जी? यादों ने एक प्रश्न वाचक (?) लगा दिया। मन में नौराश्य के भाव उभरने लगे, उदासीनता छाने लगी पर किससे मन का हाल कहे। कहती है – 'कोई ना जाने म्हारे मनडे बात ने, थांने ही बात बनाया सरसी, आवो जो म्हारे हिवड़े का पावणा, तारां छाई रात थाने आयां सरसी।' आपको ही मन की बात सुनने आना पड़ेगी। आपके पास आने के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं है। आना ही पड़ेगा क्योंकि तारे आकाश में चमकने लगे हैं, प्रतीक्षा लम्बी होती जा रही हैं, श्रृंगार फीका पड़ता जा रहा है। मन की बात किसको सुनावे। आपको ही आके सुनना पढ़ेगा।

कितनी अद्‌भुत व्यंजना है, परिकल्पना है। क्या किसी भाषा में सौंदर्य की ऐसी विरह वेदना और आशा में ऊर्जस्वित झीनी संवेदनशीलता देखने को मिलेगी? दुर्लभ है। राजस्थानी गीतों में जो सौन्दर्यबोध और माधुर्य है, वह कहीं नहीं मिलता।

यहां केवल उदाहरणार्थ तीन गीतों को ही लिया गया है, जिसमें राजस्थानी नारी को विरह वेदना और सौन्दर्यभाव उजागर हुआ है। साजन तो कभी आते नहीं केवल उनकी विरहणी प्रतीक्षावत् रहती है। लेकिन राजस्थानी में मिलन उत्सव के प्रसंग भी भरे पड़े हैं। राजस्थानी गीतों में उल्लास है, अठखेलियां हैं और संबंधों की गहनतम भावनाएं भी हैं। ज्यादातर गीत मरुधरा के अभाव को सौन्दर्य और रसानंद से अभिसिंचित करने के लिए भी लिखे गये हैं। इन गीतों की मौलिक विशेषताओं को यदि किसी ने अपेक्षाकृत सर्वाधिक उजागर किया है तो वीणा कैसेट्स ने। राजस्थानी गीतों को इस समूह ने घर-घर पहुंचा दिया। यह स्वयं में एक अनूठी उपलब्धि है। यदि व्यावसायिक दृष्टिकोण को सामने न रखकर निरपेक्ष भाव से देखा जाय तो राजस्थानी की स्वर माधुरी की लोकप्रियता के उच्चतम मापदंडों को स्पर्श कराने का श्रेय 'बीणा' और उसके प्रवर्तक प्रणेता के.सी. मालू को जाता है। जो काम अब तक हुआ है वह निस्संदेह सराहनीय है। जो काम अकादमियां अब तक नहीं कर सकीं वह इसने कर दिखाया है और इतने कम समय में हर घर में मधुरता का आलम बिखेर दिया है।

इस संबंध में राजस्थानी के मूर्धन्य विद्वान पं. सूर्यकरण पारीक के विचारों को सामने लाना उचित होगा। उन्होंने कहा था 'राजस्थानी का लोक गीत भंडार खूब हरा-भरा है, संस्कारयुक्त और आदर्शमय है। गीत हमारी जातीय संपत्ति है, ये हमारी पूर्व संस्कृति के अच्छे परिचायक है, स्मारक स्वरूप हैं। ये हमारे सामाजिक, धार्मिक और नैतिक जीवन को बहुत बड़े भाव से अनुप्राणित करते हैं।' उन्होंने बताया कि पणिहारिन गीत वाद्य की दृष्टि से भारतीय संस्कृति को राजस्थान की उत्तम देन है जिसमें साहित्य संगीत और कला तीनों आदर्शों का पूर्ण समन्वय हुआ है।

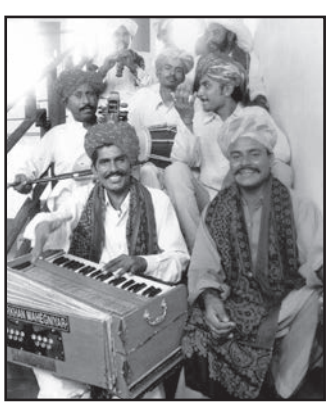



काली ए व्यासण उमटी – पणिहारी जी ए लो। मोटोडी छांट या रो बरसे मेह बाला जो वे मानते थे कि अन्य भाषाओं की तरह राजस्थानी का विकास भी अपभ्रंश से हुआ है किन्तु वह अपभ्रंश की बड़ी बेटी है, अत; देश की भाषाओं में सबसे प्राचीन है। अतः इस भाषा के लोकगीतों को अतीत की परतों से निकालकर सामने लाना बिना सच्ची लगन के संभव नहीं है।

(साभार : स्वर सरिता)

## महामहिम श्री केशरी नाथ त्रिपाठी की कविताओ का राजस्थानी अनुवाद

**मूल :**
ग़ैरों की तरह जब भी सुलूक उनका देखा
मेरी निगाहों में इक सूना आकाश रहा
न डाली एक लम्हे को भी नज़र मुझ पर
उनके नाम से ही प्यार का एहसास रहा।

**राजस्थानी :**
गैरां री तरै जदैई सलूक उणरौ देख्यौ
म्हारी निजर में अेक सूनौ आभौ रैयौ
नीं नाखी अेक पल ई निजर म्हारै माथै
उण रै नांव सूं ई हेत रौ अेसास रैयौ।

**मूल :**
मैंने तो बसर कर ली, तेरे बज्म में कब से
तूने नज़र फिराकर मुझको अलग किया
मदहोशी में बदले मयख़ाने के पैमाने
तुमने तो छुआ ही नहीं प्याला बदल दिया।

**राजस्थानी :**
म्हैं तौ बसर करली थारै बज्म में कदेई सूं
थूं निजरां फिरा'र म्हनैं न्यारौ कर दियौ
मदहोसी में बदळियौ मैयखाना रौ पैमानी
थूं तौ छुयौ ई नीं प्यालौ बदळ दियौ।

**मूल :**
छोटी-सी ज़िन्दगी है गुज़र जायगी फिर भी
उस पार का समाँ भी दिखा जायगी कभी
इस ज़िन्दगी की तर्ज़ का क्या बयां करूं
मेरी नज़र से देख तो कट जायगी अभी।

**राजस्थानी :**
छोटी-सी जिंदगाणी है गुजर जाय फेरूं ई
उण पार रौ नजारौ दिखा जाय कदै ई
इण जिन्दगी री तरज रौ कांई बयान करूं
म्हारी निजर सूं देखूं तौ कट जाय अबार ई।

**मूल :**
बहुत बरसे ज़िन्दगी में बेमौसमी बादल
हसरतें भी बह गईं गीले हुए काजल
कौन सी मजबूरियों ने जकड़कर उसको रखा
आँख भी बरसी यहाँ बन कर वही बादल।

**राजस्थानी :**
घणां बरसिया जूण में बेमौसमी बादळ
हसरतां बेबगी, गीलौ होयौ काजळ
कुणसी मजबूरियां में जकड़'र राखयौ उणनै
आंख्यां ई बरसी अठै बण'र बो ई बादळ।

**मूल :**
हम गुनहगारों में कैसे आ गए
क्या मुहब्बत पाप का ही नाम है
साकी यही है और मयख़ाना यही
यह हमारी जिन्दगी का जाम है।

**राजस्थानी :**
म्हां गुनाहगारां में कीकर आ ग्या
कांई मोबत पाप रौ ई नांव है
साकी आईज है अर मैयखानौ ओई
औ इज म्हाणी जिंदगी रौ जाम है।

**मूल :**
दिल अगर नादां नहीं होता तो क्यों मिले होते
चाह अगर आग न होती तो क्यों जले होते
यह इक सैलाब है अनजाने बन्धों से बँधा
बिना तसलीम के हम तुमसे क्यों बिंधे होते।

**राजस्थानी :**
दिल अगर नादा नीं व्हेतौ तौ क्यूं मिल्या होता
चाह अगर आग नीं व्हैती तौ क्यूं बळियौ होतौ
औ अेक सैलाब है अनजाणा बन्धणां सूं बंधियौ
बिना तसलीम रै म्हैं-थारै सूं क्यूं बींदीज्यौ होतौ।

अनुवादक : **जेवा रशीद**

Comprehensive and Exclusive

# Business Economics

... Truly reflecting global aspirations!

# Subscribe

100% Bargain

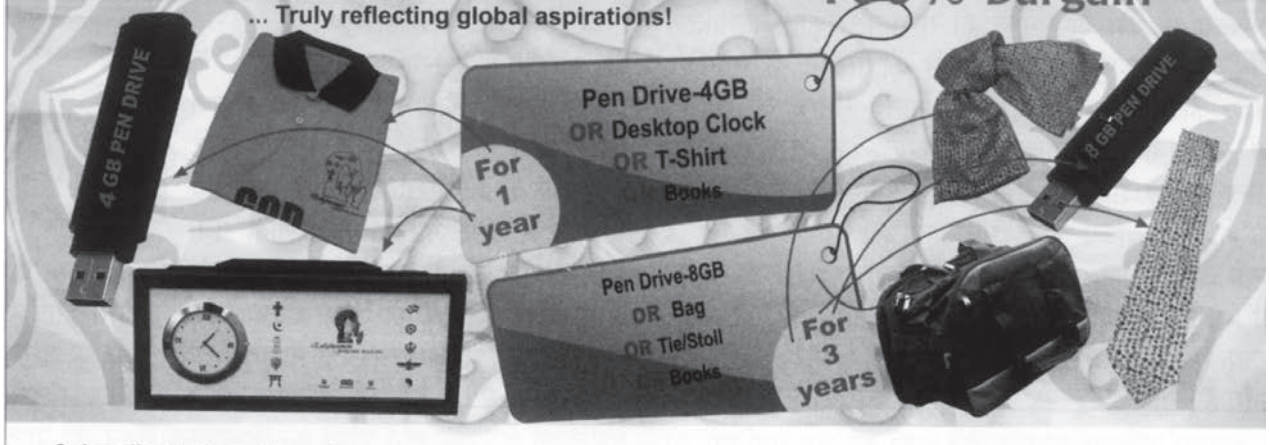


**Subscribe Business Economics :**

Subscribers may send choice of books valued equal to subscription

| Tick | Term | No. of Issues | Price you pay | Gift Value | Saving | US $ | UK £ | Gift Option |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| ☐ | 3 Years | 72 | 1440/- | 1440/- | 1440/- | 216 | 144 | ☐8GB Pen Drive OR ☐ Bag OR ☐ Tie/Stoll OR ☐ Books |
| ☐ | 1 Year | 24 | 480/- | 480/- | 480/- | 72 | 48 | ☐ 4GB Pen Drive OR ☐ Desktop Clock OR ☐ T-Shirt OR ☐ Books |
| ☐ | 1 Year | 24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150) | 240/- | 150/- | 390/- | - | - | ☐ Exclusively for Students/Institutions |
| ☐ | 1 Year | 24 + Anniversary Issue (Worth ₹ 150) | 240/- | 150/- | 390/- | - | - | ☐ EXCLUSIVELY FOR SENIOR CITIZENS |

**For 1 year Book of choice upto ₹ 480** | **For 3 years Books of choice upto ₹ 1440**

## Business Economics Subscription Form

Name : Mr./Ms. _____

Address : _____

_____ City/District : _____

State : _____ Country : _____ Pin Code : ☐☐☐☐☐☐

E-mail : _____ Mobile : _____ Landline : _____ (STD CODE)

REMITTANCE DETAILS :

Enclosed Cheque / DD No. _____ dated: _____ for Rs. _____ drawn on: _____

In favour of **CONTEMPORARY NEWS PRIVATE LIMITED**

Signature: _____ date: _____

**Mail this subscription form along with your Cheque / DD to :** Pramod Kr. Singh, General Manager, **Business Economics**, 3, Middle Road, Hastings, Kolkata - 700 022, India
Ph : 033 - 2223 0335/0368, Mobile : 93395 19642, E-mail : subscriptions@businesseconomics.in

**For Subscription enquiries contact : Kolkata :** Shaonli Majumder : 033 2223-0368 • **Mumbai :** Rajendra Singh : 90290 84951
**New Delhi :** Lala P. Yadav : 98102 10095 • **Kohima :** Povotso Lohe : 94360 05889

**Lucky DRAW**

**QUARTERLY LUCKY DRAW FOR THE SUBSCRIBERS :**
**1st Prize : INR 2000/- ● 2nd Prize : INR 1000/- ● 3rd Prize : INR 500/-**

*With Best Compliments From :*

**M/s. KRIPALU COMMERCIAL PVT. LTD.**

28B, Shakespeare Sarani
Neelamber Building
Kolkata-700017
Mb: 9831244403
Email: contact@ape_group.com

IISD Edu World
Be a Leader...

SREI Foundation

*"Educate Morally & Technically"* — Swami Vivekananda

Swami Vivekananda SREI Merit Scholarship upto 100% Quality Education at most affordable fees

## Hospitality

## Hospitality Management & Culinary Arts

Newly Introduced

BTED – HND in Hospitality Management

awarded by EDEXCEL, UK (A Pearson Global Education Undertaking)

## Language School

- Functional English
- Spanish
- Russian
- Chinese
- French
- Hindi
- SANSKRIT
- Spoken English
- Italian
- German
- Persian
- Bahasa (Indonesia)
- Bengali

## *Assistance for placement*

- Complementary Spoken English
- Online Application Facility
- Regular / Weekend Classes
- AC Classrooms
- P G Accommodation

## Centre for Administrative Services / WBCS

Course Director: Dr.Bikram Sarkar (IAS retd.)

- Indian Administrative Service (IAS) and Allied Services Examinations (Prelim and Main)
- WBCS (Executive) and Judicial Services Examinations (Prelim and Main)

## Health Care

Preparatory course for Joint Entrance of MD/MS, DNB and MRCP (Part-I) Medicine

"Family Medicine Certificate Course (First Aid)

## Business School

- AIMA recognized PGDM (2Yrs.)
- Tally ERP 9+GST
- Company Secretaryship
- Chartered Accountancy (CPT, IPCC & Final)
- Entrepreneurship Development
- Diploma in Banking and Finance

## Skills

- Web Technology
- Certificate course on Theology
- Soft Skills
- Vocational & Technical Training
- Montessori Teacher Training (1 Year Diploma)
- Certificate Course on Computer Applications
- School Guide
- Bachelor Guide

# IISD EDU World

IB-200/1, Sector-III, Salt Lake, Kolkata - 700 106
Ph : 2335 2378/2861, Fax : 2335 2379
E-Mail : info@iisdedu.in ● Website : www.iisdedu.in

18, Ballygunge Circular Road, Kolkata-700019
Website : www.iisdeduworld.com
Email : iisdedu@gmail.com
Ph : 46001626 / 27

# सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत!

## आजीवन सदस्य

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **श्री शुभम पोद्दार**<br>मे. श्री श्याम सुन्दर एण्ड कं.<br>सुता पट्टी, मुजफ्फरपूर,<br>बिहार | **श्री श्रवण कुमार छापड़िया**<br>सुतापट्टी, मुजफ्फरपूर<br>बिहार | **श्री निशेष खण्डेलवाल**<br>शाप नं-२१/२२, कुल्हरिया<br>काम्पलेक्स, अशोक<br>राजपथ, पटना, बिहार | **श्री दीपक भुवानिया**<br>मे. श्री बालाजी इम्पेक्स<br>भागलपुर, बिहार | **श्री राजेश कुमार बंकिया**<br>मे. अनिल स्टोर<br>पूरानी बाजार, कहलगाँव<br>भागलपुर, बिहार |
| **श्री पुरुषोत्तम जोशी**<br>मे. जोशी वॉच सेन्टर<br>स्टेशन रोड, कहलगाँव<br>बिहार | **श्री संतोष कुमार कानोड़िया**<br>अमरपूर, बंका<br>बिहार | **श्री सुमित कुमार कानोड़िया**<br>अमरपूर, बंका<br>बिहार | **श्री उमेश कुमार खेतान**<br>मे. खेतान एजेन्सी<br>पार्क चौक, कहलगाँव<br>बिहार | **श्री दिलीप कुमार टिबड़ेवाल**<br>श्री कुंजु वस्त्रावली,<br>कहलगाँव, भागलपूर,<br>बिहार |
| **डॉ. गोपालराम खेमानी**<br>चौधरी टोला, कहलगॉव<br>भागलपूर, बिहार | **श्री कौशल किशोर**<br>मे. अनुपम् ज्वेलर्स<br>खेतान मार्केट, कहलगॉव<br>बिहार | **श्री अशोक कुमार अग्रवाल**<br>मे. बिहारी लाल अशोक<br>कुमार, सालमारी, कटिहार,<br>बिहार | **श्री गौरव श्याम**<br>मे. कृष्णा हार्डवेयर<br>सालमारी, कटिहार, बिहार | **श्री आदर्श अगरवाला**<br>मे. सावना आगरा टेक<br>सालमारी, कटिहार, बिहार |
| **श्री श्याम सुन्दर अग्रवाल**<br>मे. श्याम सुन्दर अग्रवाल<br>सालमारी, कटिहार, बिहार | **श्री सुनिल कुमार केजरीवाल**<br>द्वारा - नूतन स्टोर<br>सालमारी, कटिहार, बिहार | **श्री अमित अग्रवाल**<br>मे. शिव पार्वती आयल मिल<br>सालमारी, कटिहार, बिहार | **श्री गोपाल प्रसाद अग्रवाल**<br>रेलवे गेट के नजदीक<br>सालमारी, कटिहार, बिहार | **श्री अमित कुमार अग्रवाल**<br>सालमारी, कटिहार<br>बिहार |
| **श्री रोशन अग्रवाल**<br>मे. अग्रवाल ड्रेसेज<br>बरसोई, कटिहार, बिहार | **श्री विनय कुमार जैन**<br>मे. जैन हार्डवेयर<br>बरसोई बाजार, कटिहार<br>बिहार | **श्री प्रवीण कुमार अग्रवाल**<br>मे. प्रवीण किराना स्येर<br>बरसोई, कटिहार, बिहार | **श्री अंकुश कुमार जैन**<br>मे. अंकुश कुमार जैन एण्ड<br>कं.,बरसोई, कटिहार, बिहार | **श्री संजय मुनका**<br>४०३, सुमित्रा इंक्लेव<br>रोड नं.-८बी, राजेन्द्र नगर<br>पटना, बिहार |
| **श्री अभय अग्रवाल**<br>तुलसी भवन, रोड नं.-८ए<br>राजेन्द्र नगर, पटना, बिहार | **डॉ. राहुल मुनका**<br>फ्लैट-१डी, दुर्गा बिहार<br>अपार्टमेंट, पटना, बिहार | **श्री राजेश कुमार मुनका**<br>३०२, विशाल विला<br>अपार्टमेंट, राजेन्द्रनगर<br>पटना, बिहार | **श्री पंकज मुनका**<br>फ्लैट नं.- २३०, श्रीराम<br>अपार्टमेंट, बुद्धा कालोनी,<br>बिहार | **श्री रोहित मुनका**<br>फ्लैट - १डी, दुर्गा बिहार<br>अपार्टमेंट, पटना, बिहार |
| **श्री राजेश अग्रवाल**<br>मे. श्री बालाजी इंटरप्राईजेज<br>मुजफ्फरपूर, बिहार | **श्री अनिल तुलस्यान**<br>मे. गणेश वस्त्र भण्डार<br>सरायगंज, मुजफ्फरपूर,<br>बिहार | **श्री नितीन कुमार बागला**<br>पत्थर की मस्जिद के अपोजीट<br>में, झाऊगंज, पटना, बिहार | **श्री सुनिल कुमार अग्रवाल**<br>जिरीया तमोलीन गली<br>पटना सिटी, बिहार | **श्री अविनाश कुमार**<br>६०१/६०२, श्री अपार्टमेट<br>पटना, बिहार |
| **श्री संदीप केजरीवाला**<br>मे. भारतीय वस्त्रालय<br>बड़हिया बाजार, बिहार | **श्री सम्भव कुमार**<br>बड़हिया वार्ड नं.-१९<br>बड़हिया, लक्खीसराय,<br>बिहार | **श्री गिरधारी लाल खेमका**<br>बड़हिया बाजार, बड़हिया<br>लक्खीसराय, बिहार | **श्री संदीप अग्रवाल**<br>द्वारा - सोमनाथ इंटरप्राईजेज<br>राजेन्द्र पथ, पटना, बिहार | **श्री मनोज कुमार घोड़ावत**<br>मे. खुशी किराना स्टोर<br>सुरपतगंज, सुपौल, बिहार |
| **श्री प्रवीन कुमार बैद्य**<br>मे. लक्ष्मी प्रकाश इम्पोरियम<br>मेन रोड, सुपौल, बिहार | **श्री राजेश कुमार जैन**<br>मे. जैन ब्रदर्स<br>सुरपतगंज, सुपौल, बिहार | **श्री सुरेन्द्र कुमार चौधरी**<br>मे. संजय हार्डवेयर<br>सुरपत गंज, सुपौल, बिहार | **श्री प्रमोद चंद बोथरा**<br>सुरपतगंज, सुपौल<br>बिहार | **श्री अशोक कुमार चौधरी**<br>मे. गोवर्धन किराना<br>सुरपतगंज, सुपौल, बिहार |
| **श्री पवन कुमार चौधरी**<br>मे. महावीर वस्त्रालय<br>मेन बाजार, सुपौल, बिहार | **श्री शिशुपाल सिंह वच्छावत**<br>सुरपतगंज, सुपौल<br>बिहार | **श्रीमती किरण चांद**<br>सिमराही बाजार<br>बिहार | **श्री मुरलीधर शारदा**<br>मे. हनुमान वस्त्रालय<br>करजईन बाजार, बिहार | **श्री अनुज कुमार गोलछा**<br>कटजईन बाजार<br>बिहार |
| **श्री उमाशंकर बिहानी**<br>मे. आनंद ड्रेसेज, करजईन<br>बाजार, सुपौल, बिहार | **श्री ललीत कुमार डागा**<br>मे. डागा स्टोर, करजईन<br>बाजार, सुपौल, बिहार | **श्री हेमन्त कुमार अग्रवाल**<br>मे. माधुरी मफतलाल<br>फैब्रिक्स, जेल रोड, आरा<br>बिहार | **श्री आशिष बेटिया**<br>मे. नागरमल सत्यनारायण<br>चिमटोली रोड, आरा, बिहार | **श्री कृष्णा पोद्दार**<br>मे. मोन्टे कार्लो<br>एक्सक्लुसिव शोरुम,<br>जेल रोड, आरा, बिहार |
| **श्री कैलाश कुमार जालान**<br>मे. कैलाश होजियरी, जे. डी.<br>मार्केट, आरा, बिहार | **श्री उमेश नारायण बेटिया**<br>मे. नागरमल शिव नारायण<br>एण्ड संस, शिवगंज, आरा,<br>बिहार | **श्री कृष्ण कुमार बेरिया**<br>मे. नागरमल शिव नारायण<br>एण्ड संस, शिवगंज, आरा<br>बिहार | **श्री शम्भु कुमार शर्मा**<br>महाजन टोली नं.-१<br>मित्राटोला, आरा, भोजपूर<br>बिहार | **श्री बिष्णु कान्त सिंहानिया**<br>मे. जालान क्लाथ हाउस<br>चितरौली रोड, आरा,<br>बिहार |
| **श्री पवन कुमार अग्रवाल**<br>मे. पवन ट्रेडर्स, जे.डी.<br>मार्केट, चितरौली रोड<br>आरा, बिहार | **श्री अमित सरावगी**<br>मे. बिमल कुमार बिजय<br>कुमार, चौक, आरा, बिहार | **श्री प्रिंस कुमार गुप्ता**<br>मे. मित्तल किराना स्टोर<br>दलदली रोड, पटना, बिहार | **श्री भैंरोदान चोपड़ा**<br>नरहिया बाजार, वार्ड नं. ६<br>मधुबनी, बिहार | **श्री वसंत कुमार चोपड़ा**<br>नरहिया बाजार, मधुबनी<br>बिहार |

RUPA
सर्दियों में
only
TORRIDO
TORRIDO
TORRIDO
TORRIDO
PREMIUM THERMAL
STRETCHABLE | BODY-HUGGING | ATTRACTIVE COLOURS | SOFT AND NON-ITCHY
www.rupa.co.in | SMS 'RUPA' to 53456 | Toll Free No: 1800 1235 001 | Shop Online: www.rupaonlinestore.com

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2018-2020
Date of Publication - 24th January 2019
RNI Regd. No. 2866/1968


# LIFE BEGINS AT 60!

JAGRITI DHAM

KOLKATA'S MOST COMPREHENSIVE HOME FOR SENIOR LIVING

Yoga & meditation

Wellness spa

Indoor games

Outdoor activities

**COMFORTS & CONVENIENCES**
- Furnished and fully-serviced AC rooms
- Attached toilet, pantry and balcony
- Housekeeping and maintenance on call
- Wi-fi, Intercom

Privilege access to IBIZA Club

24 x 7 Medical care

Mandir

Safety and Security

**SENIOR-FRIENDLY**
- Wheel chair and walker-enabled spaces and ramps
- Spacious lifts to accommodate stretchers
- Specially designed bathrooms with wheel chair-accessible showers

- Inside Merlin Greens complex
- Adjacent to Ibiza on Diamond Harbour Road
- Near Bharat Sevasram Hospital and Swaminarayan Dham Temple
- 5 kms from Nature Cure and Yoga Research Institute

**SECURITY**
- 24 hours manned gate with intercom
- Electronic surveillance, CCTV
- Power back-up

**HEALTHCARE**
- 24x7 ambulance, attendant
- Visiting doctors, specialists-on-call
- Emergency button in every room and frequently occupied areas
- Tie-ups with the city's best nursing homes and hospitals

SAFETY ACTIVITY COMMUNITY SPIRITUALITY

Supported by
infinity

Jagriti Dham, Merlin Greens, IBIZA Club, Diamond Harbour Road, Pin 743 503
contact@jagritidham.com | www.jagritidham.com | 88 200 22022


From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com